वैशाख शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 282 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
18 अप्रैल 2026 शनिवार

आज का मौसम
41.3 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

एक बार फिर मोदी-शाह के सियासी ट्रैप में फंसकर रह गए राहुल और विपक्ष?

क्या राहुल गांधी और उनके साथ खड़े विपक्षी दल एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के राजनीतिक जाल में उलझ गए हैं? यह सवाल इसलिए लाजमी है , क्योंकि भाजपा सहित एनडीए के सारे घटक दल, नारी वंदन से जुड़े संशोधनों के लोकसभा में पास न होने को मुद्दा बनाने जा रहे हैं। उन्होंने देश की आधी आबादी के सामने विपक्ष को महिला विरोधी साबित करने के बड़े अभियान का खाका तैयार कर लिया है। राहुल गांधी सिर्फ मोदी को झुका देने, संविधान को बचाने तथा भाजपा पर अपनी जीत के दावे करके खुश हो लेते हैं। वह इसकी समीक्षा को तैयार नहीं हैं कि आधी आबादी यानी नारी वर्ग का बड़ा हिस्सा आखिर क्यों चुनावों में कांग्रेस या राहुल गांधी की जुबां और उससे निकले वादों या उसके घोषणा पत्रों पर यकीन नहीं करते?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नारी शक्ति वंदन संविधान संशोधन विधेयक

राहुल गांधी ने भी हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र और दिल्ली से लेकर बिहार तक के विधानसभा चुनावों में भाजपा की लाड़ली बहना योजना की तर्ज पर उससे ज्यादा बड़ी रकम देने के वादे किए थे। वे यह नहीं समझना चाहते कि चुनावी वादे हमेशा भरोसे या साख की बुनियाद पर खड़े होते हैं। राहुल का ताजा आत्मघाती कदम लोकसभा में महिला आरक्षण के लिए संविधान में 131 वे संशोधन विधेयक का विरोध माना जा सकता है । राहुल सहित विपक्ष की दलील थी कि यह सारा कुछ नई जातिगत जनगणना पूरी होने के बाद और उसके आंकड़ों पर आाधारित होना चाहिए जिसकी प्रक्रिया अभी शुरू हुई है। एनडीए सरकार के बिल में आरक्षण के लिए 2011 की जनगणना की बुनियाद पर 33 फीसदी महिलाओं के आरक्षण का प्रस्ताव था। उसके खिलाफ राहुल गांधी और उनके हिमायती विपक्षी दल की दलीलें न तो प्रासंगिक थीं और न उनमे कोई दम ही था। इस विरोध के पीछे निहित था तो सिर्फ और सिर्फ अहंकार...। मोदी को झुकाने का...। मोदी को हराने का ...। उन्हें नीचे दिखाने का ...। उनका यह कदम कितना कारगर साबित होगा इसका फैसला तो अब उस नारी शक्ति को करना है जो सियासी भंवर के बीच खुद को ठगा सा महसूस कर रही है। वह दक्षिणी राज्य भी जहां भाजपा विरोधी सरकारें हैं, महसूस नहीं कर पा रहे कि इस बिल के पास नहीं होने से उन्हें क्या दूरगामी नुकसान होगा? भाजपा ने सोची समझी रणनीति के साथ इसे सियासी तौर पर भुनाने की तैयारी कर ली है। भाजपा जानती थी कि उसके पास जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं है। लेकिन फिर भी सदन के पटल पर महिला हित के लिए लिए आरक्षण के कानून पर विपक्ष के विरोध की मुहर लगवाकर उसको नारी विरोधी साबित करने की चतुर चाल चली गई। आक्रामक नेता की खुशफहमी पाले राहुल गांधी और उनके हिमायती विपक्ष के नेता भाजपा की इस सियासी चाल को समझने में शायद अब काफी देर कर चुके हैं।

बात संविधान की और अभिमान की

लोकसभा में 2002 के बाद पहली बार किसी संविधान संशोधन विधेयक को दो तिहाई बहुमत के अभाव में मात खानी पड़ी। इसमें 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ आगामी विधानसभा चुनावों में 33 फीसदी महिला आरक्षण लागू करने की मंशा निहित थी। इसके साथ दो और विधेयक थे जिससे लोकसभा का आकार अधिकतम 550 सीटों से बढ़कर 850 हो जाता और महिला सांसदों की संख्या 180 तक हो जाती। राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में भी सीटें और महिला आरक्षण बढ़ जाता। लोकसभा में फिलहाल 74 महिला सांसद ही हैं। इस संशोधन के पारित नहीं हो पाने के बाद सरकार ने परिसीमन संशोधन तथा केंद्र शासित प्रदेशों में परिसीमन बिल पर सदन में वोटिंग ही नहीं कराई, जिनके लिए मात्र साधारण बहुमत की दरकार थी। सरकार की दलील है कि इसको पास कराने का कोई मतलब इसलिए नहीं था क्योंकि प्रदेशों और केंद्र शासित राज्यों के परिसीमन से जुड़े विधेयक, महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण को लागू करने से ही जुड़े थे। यह तो सर्वविदित ही है कि कोरोना के चलते 2021 की जनगणना नहीं हो सकी जो कि अब जाकर शुरू हुई है। लेकिन सरकार का 131 वां संविधान संशोधन पास नहीं होने के से मौजूदा जनगणना के पूरी होने और इसके अंतिम आंकड़े आने के बाद परिसीमन में देरी के चलते 2029 तक महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण नहीं मिल सकेगा।

एनडीए सरकार से भी हुई बड़ी भूल

देश के संसदीय इतिहास में पहली बार ऐसी भूल हुई है कि जिस विधेयक ने अंतिम तौर पर कानून का रूप ही नहीं लिया हो उस पर संशोधन के लिए विधेयक लाया गया हो। वर्ष 2023 में 106 वें संविधान संशोधन विधेयक के साथ ऐसा ही हुआ है। 23 सितंबर 2023 को सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मुहर भी लग गई थी। लेकिन किसी भी सदन में पारित विधेयक तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक कि वरिष्ठ सचिवों की समिति द्वारा तैयार नियमों के मसौदे को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसका राजपत्र में प्रकाशन नहीं हो जाता। यहीं एनडीए सरकार के विधि विधायी महकमे से लेकर संबधित विभागों से बड़ी चूक हो गई। इसका सरकारी गजट (राजपत्र) में प्रकाशन 16 अप्रैल को लोकसभा में 131 वे संशोधन विधेयक के पेश होने के कुछ घंटों बाद बाद हुआ। इसके बाद ही उसमें संशोधन के लिए वोटिंग कराई गई जिसमें दो तिहाई बहुमत के अभाव में सरकार नाकाम हो गई। एक गलती और भी थी परिसमीन से जुड़े दोनों विधेयकों की। इसमें आबादी के आधार पर लोकसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ाने का प्रावधान तो था लेकिन राज्यसभा की सीटें बढ़ाने की कोई व्यवस्था नहीं थी, जबकि विधानसभाओं के बढ़ते आकार के अनुपात में इसमें भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव आना था।

बेंगलुरु-दिल्ली, समय : शाम 3.30 बजे

आसान नहीं स्थाई युद्ध विराम की राह... होर्मुज से अभी भी वापस लौट रहे जहाज

धमकियों से बाज नहीं आ रहे ट्रम्प, फिर कहा बात नहीं बनी तो 22 से शुरू होगी बमबारी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर से ईरान के यूरेनियम को लेकर दावा किया है। उन्होंने शनिवार को एयरफोर्स वन में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान के पास मौजूद ज्यादा एनरिच्ड यूरेनियम हासिल करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बुधवार तक ईरान के साथ कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, तो मौजूदा सीजफायर खत्म किया जा सकता है। उन्होंने साफ कहा कि नाकेबंदी तो जारी रहेगी और जरूरत पड़ी तो फिर से बमबारी शुरू करनी पड़ सकती है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ने के बजाय अटकती दिख रही है। पाकिस्तान में हाल ही में हुई अप्रत्यक्ष बातचीत से भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। हालांकि बैकचैनल बातचीत से उम्मीद जगी थी, लेकिन अभी भी कई बड़े मुद्दों पर दोनों पक्ष सहमत नहीं हैं। सबसे बड़े मतभेद ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने, उसके परमाणु कार्यक्रम सीमित करने और समुद्र में जहाजों की सुरक्षा और आवाजाही को लेकर हैं। होर्मुज स्ट्रेट खुलने के दावों के बावजूद स्थिति अभी भी साफ नहीं है, और इसी वजह से कई जहाज वहां से गुजरने से बच रहे हैं।अल जजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग खबरों की वजह से जहाजों में डर बना हुआ है। होर्मुज खुलने की घोषणा के बाद कुछ जहाज वहां से गुजरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लगता है कि कई जहाज वापस लौट रहे हैं क्योंकि स्थिति अभी भी उलझी हुई है, इसलिए जहाज जोखिम लेने से बच रहे हैं।

असल में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि होर्मुज पूरी तरह से सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खुला है। लेकिन दूसरी तरफ, ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रखी, तो यह रास्ता खुला नहीं रहेगा। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि नाकेबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक राष्ट्रपति ट्रम्प इसे हटाने का आदेश नहीं देते।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा- नाकेबंदी अभी जारी रहेगी

ईरानी दूतावास बोला- ट्रम्प थोड़ा शांत रहें और अपना फोन बंद कर लें

ईरानी दूतावास ने ट्रम्प पर तंज कसते हुए कहा है कि वह ज्यादा उत्साहित न हों। ईरान के जिम्बाब्वे स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया पर मजाकिया अंदाज में लिखा कि ट्रम्प थोड़ा शांत रहें, फोन बंद करें, आराम करें और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से एक हफ्ते तक बात न करें। साथ ही कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े फैसले ईरान खुद करेगा। दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को कई दावे किए थे। उन्होंने कहा था कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को हमेशा के लिए खोलने पर सहमति दे दी है और अब इसे कभी बंद नहीं करेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान अपना यूरेनियम अमेरिका को सौंप देगा।

न्यूज विंडो

जम्मू-कश्मीर में लगे भूकंप के झटके, 5.3 रही तीव्रता

श्रीनगर। आज कश्मीर घाटी में रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 8.24 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था।

वेदांता पावर प्लांट हादसे में मौतों का आंकड़ा 21 पहुंचा

जांजगीर-चांपा। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट हादसे में झुलसे एक और श्रमिक की इलाज के दौरान रायपुर में मौत हो गई। इसके साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। सिंगरौली निवासी किस्मत अली ने दम तोड़ा। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे 14 श्रमिकों का इलाज रायपुर और रायगढ़ के अलग-अलग अस्पतालों में जारी है। इनमें से उपेंद्र साहू की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, उनका शरीर लगभग 90 प्रतिशत तक झुलस चुका है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है।

आठ घंटे बंद रहा रनवे, 91 फ्लाइट्स कैंसिल हुईं

पुणे। पुणे एयरपोर्ट का रनवे आईएएफ विमान की हार्ड लैंडिंग के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन 8 घंटे तक प्रभावित रहा। भारतीय वायुसेना ने खुद इसकी जानकारी दी। आईएएफ के मुताबिक, विमान की लैंडिंग के दौरान हुई घटना के बाद, सुरक्षा कारणों से रनवे को तुरंत बंद करना पड़ा। विमान का क्रू सुरक्षित है। किसी भी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन आज सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। जानकारी के मुताबिक 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं। कैंसिल होने वाली फ्लाट्स में इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 10 फ्लाइट्स शामिल थीं।

आज का कार्टून

दहेज देने की बात स्वीकार करने से पत्नी के परिवार पर नहीं चलेगा केस

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज मामलों में स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी अपनी शिकायत में लिखती है कि उसने दहेज दिया था, तो सिर्फ इस आधार पर उसके या उसके परिवार के खिलाफ दहेज देने का केस नहीं चलाया जा सकता है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दहेज अधिनियम की धारा 3 के तहत दहेज देने के अपराध के लिए पत्नी के परिवार के खिलाफ अलग से एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। पति ने तर्क दिया कि पत्नी ने अपनी शिकायत में दहेज देने की बात स्वीकार की है, इसलिए यह अपराध बनता है। इस पर शीर्ष कोर्ट ने कहा कि धारा 7(3) पीड़ित को अभियोजन से बचा सकती है, ताकि वह बिना डर के शिकायत दर्ज करा सकें। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि दहेज देने के स्वतंत्र और ठोस सबूत हों, जो केवल शिकायत या बयानों से अलग हों, तब दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 के तहत कार्रवाई संभव है।

बीजेपी नेता की हत्या में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी को उम्रकैद

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की अदालत ने भाजपा के नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले में दोषी पाए गए 16 अन्य लोगों को भी उम्रकैद की सजा दी है। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने कुलकर्णी और अन्य आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश और हत्या का दोषी ठहराया था।

विंग कमांडर विपुल की आत्महत्या के मामले में पत्नी पर उकसाने का केस

रायपुर, एजेंसी

राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर विपुल यादव की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उनकी पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने पत्नी पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोपों के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, 39 वर्षीय विंग कमांडर विपुल यादव ने 10-11 मार्च 2026 की दरम्यानी रात अपने सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद तेलीबांधा थाना में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल निरीक्षण में मौत का कारण फांसी लगाना ही पाया गया।

प्रेम विवाह के बाद लगातार विवाद: जांच के दौरान मृतक के पिता ने पुलिस को बताया कि विपुल और अर्जिता ने वर्ष 2014 में प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी रही। पिता के अनुसार, अर्जिता द्वारा लगातार अपमान और प्रताड़ना के कारण विपुल मानसिक रूप से परेशान रहते थे।

सक्सेस स्टोरी | गरीबी, भूख और घरेलू हिंसा सहने के बाद पढ़ाई के दम पर प्रशासनिक सेवा में बनाई जगह

16 साल में शादी, ससुराल में झेली प्रताड़ना... आज हैं नगर निगम कमिश्नर

सिंगरौली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव की आदिवासी बेटी ने वह कर दिखाया, जिसे सुनकर हर किसी की आंखे नम हो जाएं और दिल में उम्मीद जाग उठे। उन्होंने गरीबी, भूख, मारपीट और अपमान से भरी जिंदगी से निकलकर कठिन परीक्षा पास की और अफसर बन गईं। उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने फांसी का फंदा लगाकर जान देने की सोची।

यह कहानी है सविता प्रधान की। उन्होंने हालात से हार मानने के बजाय उनसे लड़ना चुना। वर्तमान में प्रदेश के सिंगरौली में बतौर नगर निगम कमिश्नर पदस्थ सविता ने हाल ही में 'जोश टॉक' में अपने संघर्ष की कहानी साझा की है।

सविता का बचपन बहुत साधारण था। सरकारी स्कूल में पढ़ाई, पैसों की कमी और रोजमर्रा की दिक्कतें यही उनकी दुनिया थी। धान की कटाई करना, महुआ बीनना, गोबर उठाना और बीड़ी के पत्ते तोड़ना जैसे काम उन्होंने किये। दसवीं में अच्छे अंक आए तो घरवालों को गर्व हुआ और उसे दूसरे कस्बे के स्कूल में दाखिला मिल गया। लेकिन वहां तक जाने के लिए 2 रुपये का किराया भी कई बार भारी पड़ता था तो कई दिनों तक पैदल चलकर स्कूल जाती रही।

ससुराल में नहीं मिलता था खाना

16 साल की उम्र में ही सविता की शादी एक संपन्न परिवार में कर दी गई और उसे भरोसा दिया गया कि वह आगे पढ़ सकेगी, पर यह वादा जल्द ही झूठ साबित हुआ। शादी के बाद उसका जीवन एक कैद की तरह हो गया। पति और ससुराल वालों का व्यवहार अमानवीय था। वे मारपीट करते और भरपेट खाना तक नहीं मिलता। सविता बताती हैं कि कई बार वह रोटियां अपने कपड़ों में छिपाकर बाथरूम में जाकर खाती थीं, ताकि कोई देख न ले। वे बताती हैं मेरा माथा फटा हुआ है, हाथ पर कट के निशान हैं, पीठ जली हुई है। रोज-रोज के अत्याचार अब सहन करना मुश्किल हो गया था। पता था कि खुद की जान लेना गलत है लेकिन इसके अलावा कोई और रास्ता नजर नहीं आ रहा था।

दो बेटों का हाथ थामे, नई जिंदगी की ओर...

पति का घर छोड़ते समय सविता के पास सामान बहुत कम था, लेकिन हिम्मत भरपूर थी। अपने दो छोटे बेटों का हाथ पकड़कर वह एक रिश्तेदार के घर पहुंचीं। रहने का ठिकाना तो मिल गया, पर आगे का रास्ता धुंधला था। गुजारे के लिए उन्होंने पास के एक ब्यूटी पार्लर में काम शुरू किया। दिनभर काम, शाम को बच्चों की देखभाल। इसी बीच उनके मन में एक ही बात चलती रही मुझे अपने बच्चों के लिए बेहतर जीवन बनाना है। इन्हीं कठिन दिनों में सविता ने शादी के कारण जो पढ़ाई छूट गई थी, उसे पूरा करने का फैसला किया। घर और काम की जिम्मेदारी के बीच वह देर रात किताबें खोलकर बैठ जातीं। यही वह समय था जब उन्होंने मध्य प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन की तैयारी शुरू की। यह परीक्षा राज्य की सबसे कठिन परीक्षाओं में मानी जाती है। न कोचिंग, न मार्गदर्शन, न खाली समय, फिर भी सविता ने हार नहीं मानी। लगातार मेहनत के बाद सविता ने साल 2005 में यह परीक्षा दी और पास कर लीं। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि थी। लेकिन उनका लक्ष्य इससे भी आगे था। उन्होंने दोबारा तैयारी की और 2006 में फिर से परीक्षा दी। इस बार उन्होंने पूरे राज्य में 83वीं रैंक हासिल की। इस सफलता ने उन्हें मध्य प्रदेश प्रशासनिक सेवा में जगह दिला दी।

गिरफ्तारी के पहले लिखित में जानकारी देना अनिवार्य, दो घंटे पहले देनी होगी सूचना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में अब पुलिस द्वारा किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय गिरफ्तारी के ठोस कारण लिखित रूप में बताने होंगे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को गिरफ्तार किए जाने वाले व्?यक्ति को यह जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं गिरफ्तार होने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी की केवल मौखिक जानकारी को पर्याप्त नहीं माना जाएगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि गिरफ्तारी के आधार स्?थानीय भाषा या ऐसी भाषा में लिखे जाएं, जिसे गिरफ्तार व्यक्ति भली-भांति समझ सके। अपराध अनुसंधान विभाग पुलिस मुख्यालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में सभी पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित इकाइयों को इस संबंध में सर्कुलर जारी किया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी पुलिस

ऐसा नहीं किया तो अवैध घोषित होगी गिरफ्तारी

आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित इकाइयों को निर्देशित किया गया है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सख्ती से सुनिश्चित कराएं, ताकि विधिसम्मत कार्रवाई के साथ-साथ नागरिकों के मौलिक अधिकारों की भी पूर्ण रूप से रक्षा की जा सके।

दरअसल उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(1) के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों को जानने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। इस अधिकार के संरक्षण के लिए न्यायालय ने पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं।

पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्देशों में यह भी कहा गया है कि यह लिखित जानकारी गिरफ्तारी के समय या आरोपी को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने से कम से कम दो घंटे पूर्व उपलब्ध कराई जानी है। साथ ही, आरोपी को लिखित तौर पर जानकारी देने के दौरान गिरफ्तारी पंचनामा या संबंधित अभिलेख में विधिवत दर्ज किया जाना भी अनिवार्य होगा। इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 47 के प्रावधानों का भी उल्लेख किया गया है। पीएचक्यू के सर्कुलर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि इन निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है, तो गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया जा सकता है और संबंधित अधिकारी के विरुद्ध न्यायालय की अवमानना या विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है और अभियुक्त को तत्काल रिहाई का अधिकार प्राप्त हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी किए निर्देश

यह परिपत्र आपराधिक अपील के विरुद्ध महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य में 6 नवंबर 2025 को पारित आदेश के पालन में जारी किया गया है, जिसमें गिरफ्तारी की प्रक्रिया को लेकर दिशा-निर्देश तय किए गए हैं।

अंडर ब्रिज की जगह ओवरब्रिज का विकल्प, जलभराव के डर से बदला था फैसला

30 साल का लंबा इंतजार होगा खत्म, 24 कॉलोनियों को मिलेगा जाम से छुटकारा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर रेलवे क्रॉसिंग रोड पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा होते ही दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों के रहवासियों को सुविधा हो जाएगी। रहवासी तीन दशक से यहां ब्रिज बनाने की मांग करते आ रहे थे। हालांकि काम में विलंब से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग की सेतु शाखा ने फाटक नंबर 115 पर आरओबी का काम तीन साल पहले शुरू किया था।

गर्डर लॉन्चिंग से जगी उम्मीद

अब तक काम पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन रेलवे के हिस्से के काम में विलंब के कारण ब्रिज से परिवहन प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। फाटक रोड तक पिलर खड़े हो चुके हैं। रेलवे ने गर्डर भी लॉन्च किए हैं। अगले तीन-चार माह में काम पूरा होने की उम्मीद है। काम पूरा होने के बाद यहां बार-बार फाटक बंद होने की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। क्रॉसिंग की जगह रेलवे ने अंडर ब्रिज बनाने की स्वीकृति दी थी लेकिन अंडर ब्रिज में जलभराव की समस्या को देखते हुए ओवर ब्रिज स्वीकृत किया गया।

व्यापार प्रभावित और वैकल्पिक मार्गों की सुगमता

आरओबी बनाने से पहले प्रशासन ने यहां कई दुकानों को भी तोड़ा था। पिछले तीन साल से यहां कारोबार ठप पड़ा है। विलंब से व्यापारी परेशान हैं। काम पूरा होने के बाद राहत फाटक के दूसरे छोर पर सीटीओ, कैंप नंबर 12, मथाई नगर, देवलोक कॉलोनी, सत्यम कॉलोनी, पूजाश्री नगर सहित करीब दो दर्जन कॉलोनियां हैं। ब्रिज बनने से नागरिकों को सुविधा हो जाएगी। दाता कॉलोनी होते हुए एयरपोर्ट रोड जाने वालों को भी वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा।

नई बसाहट और जनसुविधा पर जोर

इन दिनों लाऊखेड़ी में नई बसाहट हो रही है। यहां के रहवासियों को भी बैरागढ़ तक आने में सुविधा होगी। रेल सुविधा संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी का कहना है कि ओवरब्रिज बनाने की हमारी मांग जल्द पूरी हो जाएगी लेकिन रेलवे को काम में विलंब नहीं करना चाहिए। नागरिकों की सुविधा का ध्यान रखना जरूरी है।

भोपाल-लखनऊ एक्सप्रेस का रूट बदला

लखनऊ में पावर ब्लॉक ने बिगाड़ा ट्रेनों का टाइम टेबल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लखनऊ मंडल में चल रहे मेगा ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों के संचालन में बड़ा फेरबदल किया गया है। इसका सीधा असर भोपाल और पुणे से लखनऊ जाने वाली ट्रेनों पर पड़ा है। रेलवे ने यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए यात्रा से पहले ट्रेन का स्टेटस चेक करने की सलाह दी है।

ये हुए हैं बदलाव : पुणे-लखनऊ सुपरफास्ट (12103/12104) यह ट्रेन अब लखनऊ तक नहीं जाएगी। इसे कानपुर स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा, यानी यह कानपुर से ही आएगी और वहीं से वापस जाएगी।

एलटीटी-लखनऊ एसी सुपरफास्ट (22121/22122) लोकमान्य तिलक टर्मिनल से लखनऊ के बीच चलने वाली यह एसी ट्रेन निर्धारित तिथियों पर कानपुर और लखनऊ के बीच रद रहेगी।

इन ट्रेनों के बदले मार्ग: कई प्रमुख ट्रेनों को कानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़ और अयोध्या के रास्ते डायवर्ट किया गया है।

गोरखपुर जाने वाली ट्रेनें- लोकमान्य तिलक-गोरखपुर, पनवेल-गोरखपुर, ओखा-गोरखपुर और यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस। ये ट्रेनें अब लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा और बलरामपुर स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी।

भोपाल-लखनऊ एक्सप्रेस (12183)- यह ट्रेन भी बदले हुए रूट से चलेगी, जिससे लखनऊ, रायबरेली और अमेठी जैसे स्टेशनों का संपर्क कट जाएगा। इसके अलावा उद्योगनगरी एक्सप्रेस और एलटीटी-सुल्तानपुर एक्सप्रेस के संचालन पर भी असर पड़ेगा।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले 139 हेल्पलाइन नंबर या रेल मदद ऐप के जरिए अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति जरूर देख लें ताकि स्टेशनों पर होने वाली परेशानी से बचा जा सके।

नवनिर्मित प्रेम प्रकाश आश्रम का हुआ शुभारंभ

हमारा शरीर अनमोल है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए - भगत प्रकाश

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आध्यात्मिक उल्लास के साथ नवनिर्मित प्रेम प्रकाश आश्रम का उद्घाटन और सदुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज की श्री मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा हुई। सदुरु स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज के सानिध्य में प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। स्वामी भगत प्रकाश महाराज अपनी संत मंडली के साथ जब नगर में पधारे, तो प्रेम प्रकाश मंडल के सेवाधारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। बैरागढ़ बस स्टैंड से लेकर एफ-वार्ड स्थित आश्रम तक एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु भजनों की धुन पर झूमते नजर आए।

आश्रम पहुंचने के पश्चात स्वामी जी ने भगवान श्री लक्ष्मीनारायण और सदुरु टेऊँराम जी महाराज के श्री विग्रहों (मूर्तियों) की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर हवन, ध्वजारोहण और सत्संग का आयोजन हुआ।

ईश्वर की शक्ति से संचालित है यह शरीर

शाम को आयोजित सत्संग में स्वामी भगत प्रकाश जी ने कहा कि मनुष्य इस संसार में सीमित समय के लिए आया है। यह शरीर पांच तत्वों (धरती, आकाश, जल, अग्नि और पवन) से बना एक घर है, जिसे ईश्वर रूपी कारीगर ने माता के गर्भ में निर्मित किया है। इस शरीर के भीतर ईश्वर स्वयं जीवात्मा के रूप में बैठकर शक्ति का संचार कर रहे हैं।

जीवन सफल बनाने का संदेश: स्वामी जी ने जोर देते हुए कहा कि यह शरीर अनमोल है और इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने भक्तों को प्रेरित किया कि वे संतों की शरण में जाएं, उनकी वाणी सुनें, शिक्षा ग्रहण करें और नियमित रूप से गीता व रामायण का पाठ करें ताकि मानव जीवन सफल हो सके।

सभी जिलों को निर्देश जारी

आरटीई के चयनित निजी स्कूलों में 25 अप्रैल तक करा सकेंगे प्रवेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रवेश की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रथम चरण की लॉटरी में चयनित निजी स्कूलों में 25 अप्रैल तक एडमिशन ले सकेंगे। इससे पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अप्रैल थी।

इस संबंध में केंद्र ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं। संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि अभिभावकों को 3 से 15 अप्रैल तक बच्चों का प्रवेश आवंटित विद्यालय में कराने के निर्देश दिए थे। जिन बच्चों ने प्रवेश नहीं लिया, उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचना दी गई थी। निर्धारित अवधि में अधिकांश बच्चों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया गया। कुछ पालकों ने विभिन्न कारणों से निर्धारित अंतिम तिथि तक बच्चों का प्रवेश नहीं करा पाने की बात कही, जिसके बाद प्रवेश लेने की अंतिम तिथि को 15 अप्रैल से बढ़ाकर 25 अप्रैल कर दी गई है।

संचालक सिंह ने जिला अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी पालक द्वारा यह शिकायत प्राप्त होती है कि उनके बच्चे को आवंटित निजी विद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, तो इस पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

21 दिन में मजबूत बनने वाली तकनीक का सफल प्रयोग

देश की पहली सीमेंट रहित राख से बनी सड़क

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। CSIR- एडवांस मटेरियल एंड प्रोसेस रिसर्च इंस्टिट्यूट (एम्प्री) ने देश की पहली ऐसी सड़क विकसित की है, जिसमें सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह सड़क बिजली संयंत्रों से निकलने वाली फ्लाई ऐश (राख) और जियोपॉलिमर तकनीक की मदद से तैयार की गई है।

इस परियोजना की शुरुआत 2 फरवरी को एन कलईसेल्वी द्वारा की गई थी, जबकि इसका औपचारिक शुभारंभ विनोद कुमार की उपस्थिति में हुआ। इस नई तकनीक के कई पर्यावरणीय और तकनीकी फायदे हैं। पारंपरिक सीमेंट सड़कों की तुलना में इसमें कार्बन उत्सर्जन लगभग 83 फीसदी तक कम होता है और निर्माण के दौरान 80 फीसदी कम ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। सबसे खास बात यह है कि इस सड़क को बनाने के बाद पानी से क्योरिंग (तराई) की जरूरत नहीं होती। मजबूती की बात करें तो यह सड़क केवल 21 दिन में 35 से 40 एमपीए तक की ताकत हासिल कर लेती है, जो सामान्य सीमेंट से बनी सड़कों के बराबर मानी जाती है।

पावर प्लांट से पांच हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि टाटा एनर्जी रीवा जिले में ऊर्जा की बड़ी परियोजना शुरू करने जा रही है। टाटा एनर्जी 28 हजार करोड़ रुपए निवेश करके पावर प्लांट स्थापित करने जा रही है। इस प्लांट से एक हजार मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन होगा। इससे क्लीन और ग्रीन एनर्जी के साथ-साथ पाँच हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। परियोजना के लिए आवश्यक जमीनें चिन्हित कर ली गई हैं। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम 169 हेक्टेयर जमीन टाटा एनर्जी को आवंटित कर रहा है।

नवयुवक सभा के स्कूलों में निःशुल्क नेत्र जांच कूपन बांटे गए

संतनगर। नवयुवक सभा द्वारा संचालित स्कूलों में विद्यार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य पहल की गई है। संस्था द्वारा अनंदराम टी. शाहानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सिंधु माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच कूपन वितरित किए गए। विद्यार्थियों को सेवा सदन आई हॉस्पिटल (आशा राम बापू चौराहा, गांधीनगर) के कूपन दिए गए। इन कूपन का लाभ न केवल विद्यार्थी, बल्कि उनके माता-पिता और दादा-दादी (या नाना-नानी) भी उठा सकते हैं। कूपन साथ ले जाने पर अस्पताल में आंखों की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी। यह चेकअप सुविधा सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक उपलब्ध रहेगी। वितरित किए गए कूपन का उपयोग लाभार्थी 31 मई तक अपनी सुविधा अनुसार कर सकते हैं। नवयुवक सभा प्रबंध समिति ने इस पुनीत कार्य और सहयोग के लिए सेवा सदन आई हॉस्पिटल के संचालक गोपाल गिरधानी एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया है।

मेट्रो एंकर नैबकॉन्स की स्टडी; एमपी की सब्जियों में टमाटर, प्याज हो रहे सबसे ज्यादा खराब

बाजार पहुंचने से पहले 15 फीसदी अमरूद हो जाते हैं बर्बाद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी सरकार इस साल यानी 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के तौर पर मना रही है। कृषि के साथ ही डेढ़ दर्जन विभाग मिलकर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन जैसे कामों के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने पर काम कर रही है।

दूसरी तरफ नाबार्ड की सहयोगी संस्था नैबकॉन्स द्वारा वर्ष 2020-22 के आधार पर किए गए अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि मध्य प्रदेश में बागवानी फसलों, विशेषकर अमरूद की बर्बादी सबसे भयावह स्तर पर है, जहां अमरूद के कुल उत्पादन का 14.93त्न हिस्सा बाजार तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में कृषि उत्पादों की बर्बादी के आंकड़े चिंताजनक हैं। सब्जियों के मामले में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां टमाटर की 11.85 फीसदी और प्याज की 8.11 फीसदी बर्बादी दर्ज की गई ह

बर्बादी में सोयाबीन भी पीछे नहीं

खाद्यान्न और तिलहन फसलों पर नजर डालें तो मध्य प्रदेश की पहचान मानी जाने वाली सोयाबीन फसल का 7.36 फीसदी हिस्सा बर्बाद हो रहा है। इसके अलावा दलहन में अरहर 6.43 फीसदी और काला चना 6.73 फीसदी की दर से बर्बाद हो रहे हैं। अनाज की श्रेणियों में ज्वार (6.76 फीसदी), मक्का (6.3 फीसदी), गेहूं (4.94 फीसदी) और धान (4.2 फीसदी) के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। राहत की बात केवल डेयरी सेक्टर में दिखी है, जहां दूध की बर्बादी महज 0.53 फीसदी तक सीमित रही है।

खराब होने की मुख्य वजह

खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह बर्बादी केवल भंडारण सुविधाओं की कमी से नहीं, बल्कि कटाई के बाद हैंडलिंग, परिवहन और प्रोसेसिंग के विभिन्न चरणों में होती है।

कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ वीसी में सीएम ने दिए सख्त निर्देश

जनकल्याण के कामों में लाएं तेज़ी, विकास कार्यों के निरीक्षण के साथ-साथ गांवों में करें नाइट हॉल्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान, पूर्ण हो चुके संकल्प से समाधान अभियान और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर समुचित दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कलेक्टर्स से कहा कि प्रदेश और समाज की बेहतरी के लिए सरकार द्वारा विभिन्न अभियानों के माध्यम से महती प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार के इन सभी प्रयासों एवं अभियानों में जन जुड़ाव एवं सहभागिता बेहद जरूरी है। इन सभी अभियानों की सार्थकता और सफलता तभी सुनिश्चित होगी, जब इनमें अधिकाधिक जनसहयोग एवं जन भागीदारी भी हो। इसके लिए सभी समर्पित और फोकस्ड होकर प्रयास करें।

सीएम ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे जनता के कल्याण के कामों को तेजी से पूर्ण करायें। सरकार की योजनाओं का फील्ड में पूर्णतया क्षमता और दक्षता के साथ व्यापक स्तर पर सुचारु एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर, उनकी जरुरतों और सुझावों पर अमल करते हुए जनोन्मुखी प्रशासन से खुद की और सरकार की साख बढ़ायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स लगातार जिले में भ्रमण करें, लोगों से चर्चा करें, उनकी समस्या सुनकर समाधान करें और गांवों में रात्रि विश्राम करें, इससे सरकारी योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

सांदीपनि विद्यालयों में करें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों के कारण बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट में आये उल्लेखनीय परिणामों को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रचारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आई गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों को लेकर अभिभावकों की धारणा इस कदर परिवर्तित हुई है कि वे अपने बच्चों के दाखिले निजी विद्यालयों से निकालकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में भर्ती करा रहे हैं। सीएम ने स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश दिए कि वे प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों में रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवायें। जून में जब स्कूल पुनः खुलेंगे, तब अधिकाधिक लोगों को सांदीपनि विद्यालयों का अवलोकन करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी बड़ी उपलब्धि है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के कारण हमारा स्कूल ड्रॉप आउट रेशियो जीरो हो चुका है। सीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर कम से कम 50 बेडेड हास्पिटल होने चाहिए। प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों में बर्न यूनिट्स स्थापित की जाये। ग्रीष्मकालीन स्थायी निर्देशों (मेडिकल प्रोटोकॉल्स) का कढ़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी अस्पतालों में जरूरी दवाएं उपलब्ध रहें। सभी कलेक्टर्स एवं नगरीय निकाय स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी पूरी कर लें।

गेहूं उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चल रही गेहूं उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कहा कि छोटे किसानों का गेहूं पहले खरीदा जाये। उन्हें समय पर भुगतान भी करायें। सभी कलेक्टर्स गेहूं उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें और यह देखें कि खरीदी केंद्र पर समुचित छाया-पानी, बारदाना, तेज गर्मी के चलते ओआरएस घोल, पावडर आदि सभी जरूरी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। किसानों को किसी भी तरह की प्रक्रियागत या व्यवस्थागत परेशानी नही हो। अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया निर्बाध रूप में से जारी है।अब तक 1 लाख 13 हज़ार से अधिक किसानों से 4 लाख 96 हज़ार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो चुका है। इन किसानों को करीब 355 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया है।

पेयजल आपूर्ति में न रहे कोई कमी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर से बेहतर बनाएं ताकि ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था हर हाल में निर्बाध रहे। आवश्यकतानुसार टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की जाये। पेयजल संरचनाओं के संरक्षण एवं संधारण पर विशेष ध्यान दें। किसी को भी पेयजल संबंधी परेशानी न होने पाये।

ज्ञान भारतम ऐप

सीएम ने कहा कि केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा एक ज्ञान भारतम ऐप तैयार किया गया है। कोई भी नागरिक पुरानी साहित्यिक या धार्मिक पांडुलिपियों को इस ऐप में अपलोड कर सकता है। अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने बताया कि 17 अप्रैल 26 तक इस ऐप में साढ़े 6 लाख से अधिक पांडुलिपियां अपलोड की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को इस विषय के लिये जिला स्तरीय समिति का गठन कर लेने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रदेश के कलेक्टर्स द्वारा विभिन्न अभियानों और विविध विषयों में प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अच्छा प्रदर्शन करने वाले कलेक्टर्स को बधाई दी और प्रदर्शन में पिछड़ने वाले कलेक्टर्स को और बेहतर कार्य कर सुधार लाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि प्रदेश में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करने के लिए अब प्रदेश के सभी कलेक्टर्स द्वारा पिछले एक साल में किए गए कार्यों के आधार पर उनकी रैंकिंग की जायेगी।

मध्य प्रदेश में सोयाबीन की बंपर पैदावार

मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण एक्सपोर्ट पर लगाया ब्रेक किसान-व्यापारी परेशान

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में इस बार सोयाबीन की बंपर पैदावार हुई है, लेकिन ईराक और अमेरिका के बीच हुए युद्ध की वजह से इसका एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहा है। ऐसे में अच्छी पैदावार के बाद भी किसानों और व्यापारियों को इसका कोई फायदा नहीं मिल पा रहा है। युद्ध ने सोयाबीन के एक्सपोर्ट को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल सहित कई इलाकों में सबसे ज्यादा सोयाबीन की पैदावार होती है।

मीडिल इस्ट में युद्ध की वजह से अनाज सहित अन्य सामान ले जाने वाले शिपिंग जहाज थम गए हैं। जानकारों की माने से इसकी वजह से मध्य प्रदेश का सोयाबीन एक्सपोर्ट करीब 50 प्रतिशत घट गया है। अब व्यापारी और किसान जल्द युद्ध थमने की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि उनका सोयाबीन दूसरे देशों में निर्यात हो सके।

प्रोटीन का बड़ा सोर्स है सोयाबीन

सोयाबीन को प्रोटीन का एक अच्छा सोर्स माना जाता है, इसलिए इसकी डिमांड भी ज्यादा होती है। भारत से इसका एक्सपोर्ट यूरोप, पश्चिम एशिया और पूर्वी अफ्रीका के देशों में होता है। युद्ध के साथ शिपिंग के लिए यह मार्ग पूरी तरह से थम गया है। एक्सपोर्ट न होने की वजह से मंडियों में सोयाबीन के दाम भी गिरावट आई है। ऐसे में उन किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है जिन्होंने अच्छा मुनाफे के लिए सोयाबीन की फसल लगाई थी। लेकिन युद्ध ने उनके सारे अरमानों पर पानी फेर दिया।

कम रेट में भेंज रहे ब्राजील और अर्जेंटीना

जानकारी के मुताबिक वर्ल्ड मार्केट में भारतीय सोयाबीन की कीमत करीब 500 डॉलर यानी 46300 रुपये प्रति टन हैं। वहीं अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देश सोयाबीन को 420 डॉलर प्रति टन यानी 38 हजार रुपये में बेच रहे हैं। ऐसे में कई देशों ने अब कई देशों ने अपनी खरीदी को कम कर दिया है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट के देशों में भी इस बार सोयाबीन का एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहा है। इंदौर की छावनी मंडी में सोयाबीन का रेट 5650 रुपये प्रति क्विंटल है। वहीं मध्य प्रदेश में प्लांट सोयाबीन का भाव बैतूल में 5815, बैतूल सतना 5850, केएन इटारसी 5750, धीरेंद्र सोया नीमच 5720, प्रकाश 5700, नीमच प्रोटीन 5725, धानुका सोया 5700, रामा 5650, अमृत 5640, एमएस साल्वेक्स नीमच 5625, लिविंग फूड्स 5715, आइडिया लक्ष्मी देवास 5740, अवी एग्रों 5700, सूर्या फूड्स 5675, प्रेस्टीज 5675, कोरोनेशन ब्यावरा 5680, एबीआइएस बदनावर 5670, पतंजली 5640, दिव्य ज्योति 5575 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

कांग्रेस की मैराथन बैठक

एक हफ्ते में सुलझेंगी प्रभारियों की समस्याएं, नाराज नेताओं को मनाने घर-घर जाएगी पार्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस में चुनावी तैयारियों और संगठन को मजबूत करने को लेकर बैठकों का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने भोपाल में जारी बैठकों को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि पार्टी अब नाराज नेताओं को मनाने के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाएगी और संगठन में नई ऊर्जा भरी जाएगी। वर्मा ने बताया कि कल सभी विधानसभा प्रभारियों को भोपाल बुलाया गया था, जहां 4 से 5 घंटे तक लगातार बैठक चली। इस दौरान प्रभारियों ने अपनी-अपनी समस्याएं और संगठन से जुड़े मुद्दे रखे, जिनके समाधान के लिए एक हफ्ते का समय तय किया गया है।

नाराज नेताओं को मनाने का प्लान तैयार- कांग्रेस अब अंदरूनी नाराजगी को खत्म करने के लिए सक्रिय रणनीति बना रही है। सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि जिन नेताओं में टिकट या पद को लेकर नाराजगी है, उन्हें घर-घर जाकर मनाया जाएगा और उनसे सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। साथ ही ऐसे नेताओं को पार्टी के कार्यक्ङ्क मों में सक्ङ्कि य रूप से शामिल करने की भी योजना बनाई जा रही है।

लीडरशिप बना रही संपर्क का डेटा

उन्होंने बताया कि जिला और राज्य स्तर की लीडरशिप यह तय कर रही है कि किस नेता से किस स्तर पर संपर्क किया जाए। इसके लिए एक पूरा डेटा तैयार किया जा रहा है, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके। वर्मा ने बताया कि आज भी कांग्रेस कार्यालय में बैठकों का दौर जारी है। जिलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ महिला कांग्रेस की बैठक भी हो रही है, जिसमें संगठन विस्तार और रणनीति पर चर्चा की जा रही है। इंदौर के वंदेमातरम विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी ने जांच के लिए कमेटी बना दी है। दोनों पार्षद माफी मांग चुकी हैं और अब कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अमानक बीज मामले में सख्ती

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के निर्देश पर नूनहेन्स कंपनी के खिलाफ केस

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार और खरगोन जिले के किसानों ने करेला फसल में हुए भारी नुकसान को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। किसानों ने बताया कि अमानक बीज और रोपे के कारण उनकी फसल बर्बाद हो गई, जिससे उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। किसानों के अनुसार, उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से बीज और रोपे खरीदे थे। लेकिन बुआई के बाद फसल में सही उत्पादन नहीं हुआ। करेला के फल छोटे रह गए, पीले होकर गिरने लगे और उत्पादन में भारी गिरावट आई। इससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ा।

किसानों की आजीविका मिशन पर सीधा प्रहार

किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मंत्री के निर्देशों के बाद प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई करते हुए धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने राज्य सरकार ने उठाये कदम

भोपाल। आगामी अक्षय तृतीया 20 अप्रैल के अवसर पर होने वाले बाल विवाहों की संभावनाओं को पूरी तरह से रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। विभाग द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये प्रदेश भर के नामित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों के लिए एक दिवसीय विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, शुक्रवार को संचालनालय महिला बाल विकास भोपाल में हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करना और सूचना मिलते ही वैधानिक प्रक्रियाओं को गति देना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार एवं अधिवक्ता गुरमुख सिंह लाम्बा तथा यूनिसेफ, बाल संरक्षण अधिकारी गोविंद बेनीवाल उपस्थित रहे।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन का भूमि पूजन कल

डिजाइन बदलकर 450 करोड़ बचाने की कोशिश, विरोध कर रहे हैं किसान

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मालवा की बहुप्रतीक्षित उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना को आखिरकार जमीन पर उतारने की दिशा में निर्णायक कदम उठने जा रहा है। 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में इस 98.41 किमी लंबे मार्ग का भूमि पूजन करेंगे। लंबे समय से भूमि अधिग्रहण, मुआवजा विवाद और डिजाइन संशोधन के चलते अटकी इस परियोजना के लिए प्रशासन ने अब दोनों छोर से काम शुरू करने की रणनीति बनाई है। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को समयसीमा में पूरा करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती और प्राथमिकता बन गया है।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने उज्जैन और

रतलाम कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भूमि मुआवजा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी अब स्वीकार नहीं होगी। लगभग 430 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण के लिए 49 गांव (उज्जैन) और 12 गांव (रतलाम) प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि, तय समयसीमा 30 अक्टूबर 2025 तक मुआवजा वितरण पूरा नहीं हो सका, जिससे 1 अप्रैल 2026 से कार्य शुरू करने का लक्ष्य भी विफल रहा। अब प्रशासन दोनों छोर से निर्माण शुरू करने के लिए तेजी से अधिग्रहण और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने में जुटा है।

किसानों का विरोध और मुआवजा विवाद बना बड़ी बाधा

परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती किसानों का विरोध रहा है। 29 मार्च 2026 और इसके पहले भी दो बार किसानों ने एमपीआरडीसी कार्यालय में प्रदर्शन कर अधिकारियों को घेर लिया था। किसानों का आरोप है कि उन्हें 6-8 लाख रुपये प्रति बीघा का प्रस्ताव दिया जा रहा है, जबकि बाजार मूल्य 25-50 लाख रुपये प्रति बीघा है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मुआवजा निर्धारण पारदर्शी तरीके से और किसानों को विश्वास में लेकर किया जाएगा। किसानों के विरोध और तकनीकी पुनर्मूल्यांकन के बाद हाईवे के एलिवेशन को कम किया है।

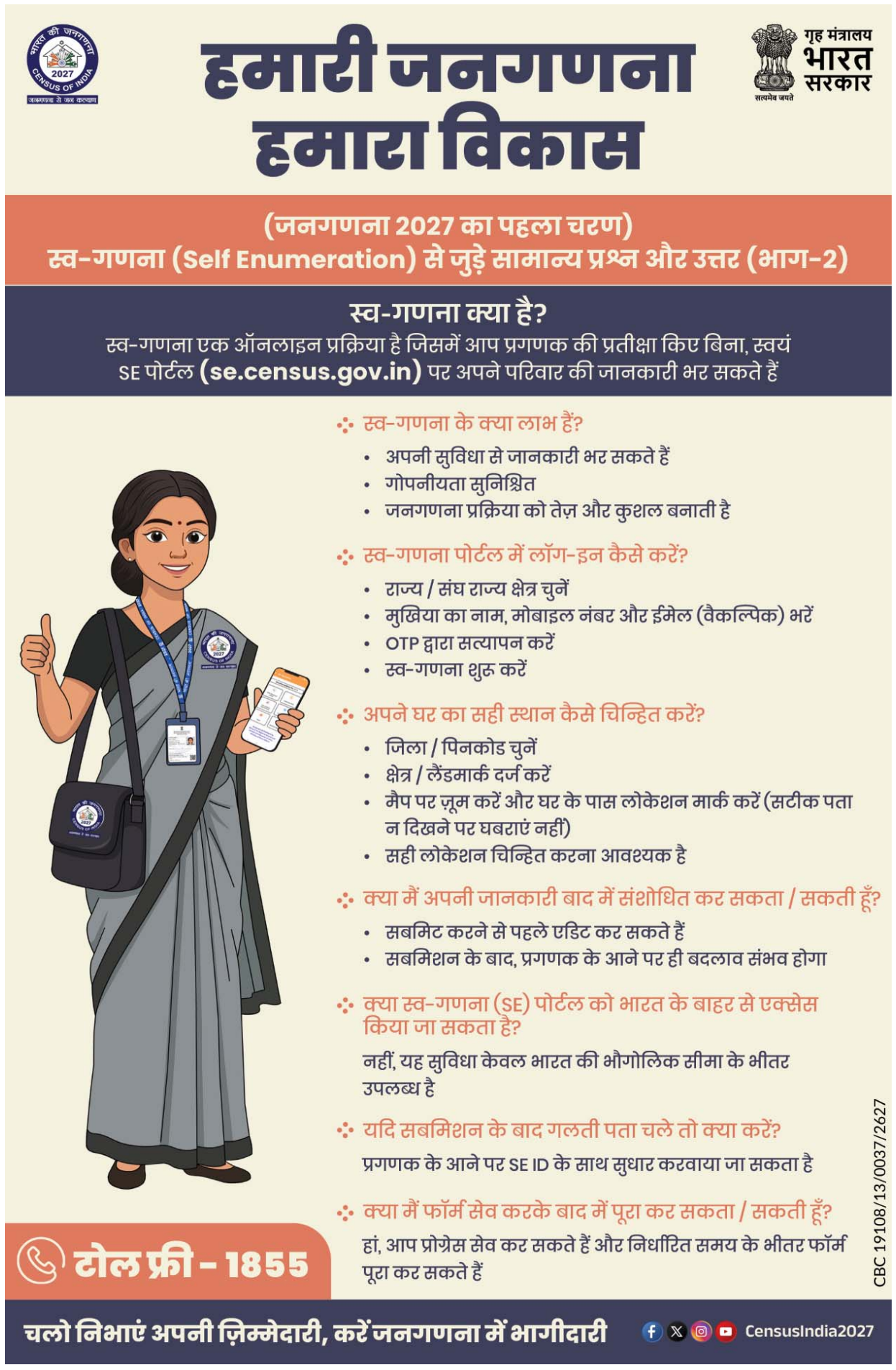

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन

भारत की एथेनॉल मिश्रण रणनीति वर्तमान में देश की ऊर्जा स्वतंत्रता और पर्यावरणीय स्थिरता का एक प्रमुख स्तंभ बन गई है।पूरे देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनिवार्य बिक्री की शुरुआत, भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच, एथेनॉल का मिश्रण भारत को तेल आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। इससे न केवल कच्चे तेल के आयात में कटौती होगी , बल्कि इससे प्रतिवर्ष 30,000 करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत की संभावना है। एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी और मक्के जैसी फसलों के उपयोग से किसानों को आय के नए और स्थिर साधन मिले हैं। गन्ने के बकाए का निपटारा करने में एथेनॉल नीति ने बड़ी भूमिका निभाई है, जिससे किसानों को 'अन्नदाता' के साथ-साथ 'ऊर्जादाता' के रूप में स्थापित किया जा रहा है। यह चिंता भी जताई जा रही है कि एथेनॉल के लिए गन्ने जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलों पर अत्यधिक निर्भरता से जल संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, खाद्यान्न का एथेनॉल में उपयोग करने से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धिऔर खाद्य सुरक्षा का जोखिम पैदा हो सकता है। यह स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में चीनी- अनाज आधारित एथेनॉल से आगे बढ़कर कृषि अवशेष -धान आधारित एथेनॉल की ओर जाना है। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित किए बिना ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। एथेनॉल नीति को सफल बनाने के लिए, नीतिगत समर्थन, आधारभूत ढांचे के विकास और पानी की कम खपत वाली फसलों से एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है। यह एक टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा ढांचे की ओर एक दूरदर्शी कदम है।

अब कुछ ही कदम दूर है अंतरिक्ष में भारत का अगला महत्वाकांक्षी कदम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है, जहां उसके सपने उपग्रह प्रक्षेपण या चंद्रमा-मंगल तक सीमित नहीं रह गए हैं, लक्ष्य है; अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना बनाना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रस्तावित 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' (बीएएस) इसी महत्वाकांक्षा का प्रतीक है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां वह उपग्रह प्रक्षेपण और चंद्र मिशनों के आगे मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में उड़ान भरने को उद्यत है, इसलिए भारत आज इसके अगले चरण स्वदेशी स्पेस स्टेशन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज के अनुसार, भारत इसके लिए रूस के दशकों पुराने अनुभव का लाभ उठाना चाहता है। विशेष रूप से कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। निश्चित ही यह सहयोग विज्ञान में सामरिक और दीर्घकालिक साझेदारी का संकेत भी है। कोई प्रश्न खड़ा कर सकता है कि रूस का सहयोग ही क्यों लेना? तब इसका सीधा उत्तर यह है कि भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का इतिहास अत्यंत समृद्ध और भरोसेमंद रहा है। वर्ष 1975 में भारत का पहला उपग्रह आर्यभट सोवियत संघ की सहायता से ही प्रक्षेपित किया गया था। इसके बाद 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में भी सोवियत संघ (अब रूस) ने अहम भूमिका निभाई थी। यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण था। इसके अलावा क्रायोजेनिक इंजन तकनीक के विकास में रूस का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में चल रहे गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (व्योमयानियों) के प्रशिक्षण में भी रूस की भूमिका निर्णायक रही है। यह दीर्घकालिक सहयोग अब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन परियोजना के माध्यम से एक नए आयाम में प्रवेश कर सकता है।

फिलहाल इसरो की योजना के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन वर्ष 2035 तक तैयार हो जाएगा। इसे पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह संरचना काफी हद तक रूस के प्रस्तावित रशियन ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) के समान होगी। क्योंकि इस ऊंचाई और झुकाव का चयन वैज्ञानिक अनुसंधान, पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष प्रयोगों के लिए उपयुक्त माना जाता है। यहां सबसे अधिक इस सफलता के साथ जुड़ी अच्छी बात यह है कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' का निर्माण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जिनके पास अपना स्वतंत्र मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन है, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों की आवश्यकता और सहयोग के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

यहां उल्लेखित यह भी है कि इसरो का गगनयान मिशन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन के सफल होने के बाद 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना को और गति मिलेगी। गगनयान, 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के लिए एक आधार तैयार करेगा, जहां भारत मानव जीवन समर्थन प्रणाली, अंतरिक्ष में दीर्घकालिक निवास और वैज्ञानिक प्रयोगों का अनुभव प्राप्त करेगा। वर्तमान समय में निश्चित ही यह हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों ने वैश्विक स्तर पर अपनी विश्वसनीयता सिद्ध की है। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना दिया। इससे पहले मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहली ही कोशिश में पहुंचने वाला पहला देश बना दिया था। वस्तुतः इन मिशनों ने न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले अंतरिक्ष कार्यक्रमों का एक वैश्विक मॉडल भी प्रस्तुत किया। यही दक्षता 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यहां इसकी चर्चा भी आवश्यक है क इसरो ने अपने प्रक्षेपण यानों के क्षेत्र में भी व्यापक प्रगति की है। जीएसएलवी एमके III (अब एलवीएम3) भारत का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जिसका उपयोग गगनयान मिशन में किया जाएगा। इसके अलावा पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) ने विश्वसनीयता का एक नया मानक स्थापित किया है और यह विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भी एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। इतना ही नहीं भारत अब निजी क्षेत्र को भी अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल कर रहा है, जिससे नवाचार और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन-स्पेस और एनएसआईएल जैसे संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ऐसे में स्वभाविक है कि इसरो की उपलब्धियां देश के युवाओं में विज्ञान और तकनीक के प्रति गहरी रुचि पैदा कर रही हैं। चंद्रयान और मंगलयान जैसी सफलताओं ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। अब 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आयुर्वेद को बड़ी दवा कंपनियों की नहीं, अच्छे वैद्यों की जरूरत

प्रयाग पाण्डे
स्तंभकार

धन लोलुपता के चलते कुछ स्वनामधन्य लोगों और संस्थानों ने भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को अपनी तिजोरियां भरने का जरिया बना दिया है। कतिपय ऐसे लोगों और संस्थाओं की इस घोर वणिक प्रवृति एवं संकीर्ण सोच ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक आधार को पूर्ण रूप से खंडित कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों से आयुर्वेद के नाम पर बाजारों में निम्न दर्जे की औषधियां एवं अन्य उत्पाद बेचने की गलाकाट प्रतियोगिता चल रही है। निहित स्वार्थों के कारण इस पुरातन चिकित्सा पद्धति का बाजारीकरण कर दिया गया है। आयुर्वेदिक के नाम पर बाजार में बेची जा रही निम्न स्तरीय दवाओं के कारण सदियों से जांची- परखी इस चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों में अविश्वास की भावना उत्पन्न हुई है।

वस्तुतः आयुर्वेद, प्रकृति को समझने और उस समझ का प्रकृति को नियंत्रित करने के लिए उपयोग करने की प्रक्रिया के दौरान प्राप्त अनुभव से उत्पन्न ज्ञान है। इसीलिए आयुर्वेद को प्राचीनतम विज्ञान कहा जाता है। आयुर्वेद का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना आदिम समाज का। वेद प्राचीनकाल से ही मानव सभ्यता की नींव रहे हैं। आयुर्वेद को अथर्ववेद का उप वेद माना जाता है। अथर्ववेद ही आयुर्वेद का मूल आधार है। ईसा पूर्व लगभग छठी शताब्दी में तक्षशिला के चिकित्सा विज्ञान के शिक्षक आत्रेय के शिष्य-जातुकर्ण,भेला, क्षारपाणी,हरिता और पारासर आदि विद्वानों ने औषधि विज्ञान पर अनेक ग्रन्थों की रचना की थी। पांचवीं सदी ईसा पूर्व से छठी सदी के कालखंड में आयुर्वेद पर मौलिक रचनाएं लिखीं गईं। ईसा पूर्व लगभग दूसरी शताब्दी में पतंजलि और उनके बाद अनेक विद्वानों ने भारतीय चिकित्सा पद्धति के मुख्य ग्रन्थ 'चरक संहिता' पर टीकाएं लिखीं थीं। चरक संहिता और शल्य चिकित्सा के मूल ग्रन्थ 'सुश्रुत संहिता' का रचनाकाल ईसा से छह सौ वर्ष पूर्व माना जाता है।

आयुर्वेद के इन प्राचीन ग्रन्थों में विभिन्न रोगों के लक्षण, निदान की सूची का वर्गीकरण, रोगों के उपचार पद्धतियों का वर्णन, औषधियों के गुण, औषधि देने की विधि और मात्रा आदि का सविस्तार वर्णन है। प्राचीनकाल से ही चरक संहिता और सुश्रुत संहिता आदि ग्रन्थ आयुर्वेद के मूलाधार रहे हैं। आयुर्वेद में सब बीमारियों के लिए वात, पित्त और कफ़, तीन दोष माने गए हैं। इन दोषों में वायु को बलवान माना गया है। नाड़ी परिक्षादि विधि दी गई है। सुश्रुत संहिता में रोग की छह प्रकार की परीक्षा बताई गई है। पांच श्रोत्रादि इंद्रियों से और छठी प्रश्न से। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रन्थों में यह बात साफ तौर पर कही गई है कि बारंबार परीक्षा द्वारा ही रोग निश्चय करना चाहिए। यानी रोग की पहचान और उसके उपचार के लिए शोध को अनिवार्य बताया गया है। भारत में प्राचीनकाल से ही समृद्ध स्वास्थ्य धरोहर रही है। 3000 ई. पू. के प्राचीन भारत में स्वच्छता और बेहतर जन स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया जाता था। वैदिक काल के दौरान सामुदायिक स्वच्छता के विभिन्न उपायों का उल्लेख वेदों में भी हुआ है। आयुर्वेद तथा मनु संहिता में स्वच्छता के प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता और छूत के रोगों के नियंत्रण से जुड़े रोग निवारण का उल्लेख हुआ है। चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में विभिन्न रोगों के रोकथाम के लिए एक विकसित जन स्वास्थ्य प्रणाली थी। उस दौर में साफ -सफाई और स्वच्छता के प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य की होती थी। मध्यकाल के दौरान प्रकाशित अनेक काव्य संग्रहों में भी रोगों की रोकथाम के लिए अपनाए जाने वाले उपायों का उल्लेख हुआ है।

देश में प्राचीन काल से ही रोगों के रोकथाम से जुड़ी अनेक प्रथाएं प्रचलित हैं। मसलन- भोजन से पहले और भोजन के बाद हाथ धोना, घर के भीतर जाने से पहले जूते - चप्पल बाहर उतारना, रोजाना स्नान करना, रसोईघर में सबको नहीं जाने देना, प्रसूति के बाद मां और बच्चे को एक निश्चित समय के लिए अलग रखन, ताकि मां और नवजात शिशु को संक्रमण से बचाया जा सके। प्राचीन भारत के निवासी टीकाकरण से भी बखूबी वाकिफ थे। उस काल में चिकित्सा के बजाय रोगों की रोकथाम पर अधिक ध्यान दिया जाता था। करीब ढाई हजार साल पहले भारत में चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लौह युगीन भारत में चरक और सुश्रुत के शिष्य गांव-गांव जाकर रोगियों की शल्य चिकित्सा करते थे। शल्य चिकित्सा से पहले रोगी को मदिरा पिलाई जाती थी। ताकि शल्य चिकित्सा के दौरान होने वाले दर्द की वजह से रोगी बेहोश न होने पाए और उसे उपकरणों की चुभन का भी अनुभव न हो। यह प्राचीन भारत की चिकित्सा पद्धति में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीक का प्रारंभिक चरण था।हालांकि चरक और सुश्रुत के शिष्यों के इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण उन्हें अक्सर धर्माधिकारियों के क्रोध का भी सामना करना पड़ता था।

कुछ संस्थाओं और लोगों ने आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण कर दिया है। आज बाजार आयुर्वेदिक दवाओं एवं अन्य उत्पादों से भरे पड़े हैं। संबंधित दवा या उत्पाद में जिस जड़ी-बूटी के होने का दावा किया गया है, इतनी अधिक मात्रा में वो जड़ी-बूटियां किस जंगल या खेत से आती हैं। उनकी गुणवत्ता वही है, जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में बताई गई है। यह बड़ा सवाल है। विचारणीय भी। संभव है कि आयुर्वेद के नाम पर अधिकांश उत्पादों में आयुर्वेदिक ग्रन्थों में सुझाई गईं जड़ी-बूटियां नहीं, बल्कि आयुर्वेद की प्राचीनतम एवं समृद्ध धरोहर को बेचा जा रहा हो। आज आयुर्वेद को कारगर इलाज पद्धति बनाने के लिए बड़ी-बड़ी दवा निर्माता कंपनियों की नहीं, वैद्यों की जरूरत है। अन्यथा लोगों का लंबे अरसे तक आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति पर भरोसा कायम रख पाना संभव नहीं होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

कच्ची पत्तागोभी स्वास्थ्य के लिए अच्छी, दिमाग में कीड़े की धारणा कोरी अफवाह

यह एक गलत धारणा है कि पत्तागोभी को कच्चा खाने से दिमाग में कीड़े होते हैं। दरअसल यह स्थिति न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस है, जो सूअर के टेपवर्म टेनिया सोलियम के कारण होती है। यह इन्फेक्शन पत्तागोभी से नहीं होता। ऐसी स्थिति तब आती है जब कोई व्यक्ति दूषित भोजन या पानी के माध्यम से गलती से परजीवी के अंडे निगल लेता है। समस्या पत्तागोभी नहीं, इसका कारण सफाई का ध्यान न रखना, ठीक से हाथ न धोना है और खाने से पहले भोजन को सही तरीके से संभाल कर न रखना है। पत्तागोभी में प्राकृतिक रूप से कीड़े नहीं होते हैं, लेकिन मिट्टी के पास उगने के कारण कभी-कभी इसकी बाहरी पत्तियों पर छोटे कीड़े या लार्वा मिल सकता है।

पत्तागोभी को साफ करने या काटने के दौरान आमतौर ये कीड़े और लार्वा आसानी से दिख जाते हैं और इन्हें आसानी से हटाया भी जा सकता है।

कच्चा खाना कितना सुरक्षित ?: यह पोषक तत्वों से भरपूर है। कई लोग कच्ची पत्तागोभी खाना पसंद करते हैं और सलाद, कोलस्लॉ, रैप्स आदि में कच्ची पत्तागोभी का इस्तेमाल करते हैं। कच्ची पत्तागोभी ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सभी कच्ची सब्जियों की तरह अगर पत्तागोभी को भी अच्छी तरह साफ न किया जाए तो इसमें गंदगी और बैक्टीरिया होने जोखिम रहता है।

पत्तागोभी को कैसे साफ करें ?: पत्तागोभी को अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब आप इसे कच्चा खा रहे हैं। इसके लिए सबसे पहले पत्तागोभी की बाहरी पत्तियां हटा दें। इन पर गंदगी और केमिकल लगने की संभावना ज्यादा रहती है। बाकी पत्तागोभी को बहते पानी के नीचे धो लें।

जिन क्षेत्रों में इंफेक्शन का खतरा ज्यादा रहता है वहां के लोग कटी हुई पत्तागोभी को एक कटोरे में पानी में चुटकी भर नमक या थोड़ा सा सिरका मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए भिगो दें। इससे पत्तागोभी पर मौजूद गंदगी और कीड़े साफ हो जाते हैं। इस्तेमाल करने से पहले भिगोई हुई पत्तागोभी को साफ पानी से धो लें।

सेहत के लिए कितनी फायदेमंद है?: पोषक तत्वों से भरपूर पत्तागोभी के कई हेल्थ बेनिफिट हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है, जिससे इम्यूनिटी बढ़ती है और शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है। पत्तागोभी में मौजूद विटामिन के हड्डियों की सेहत के लिए फायदेमंद है। पत्तागोभी का सेवन ब्लड क्लॉटिंग यानी खून के थक्के जमने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रक्रिया चोट लगने पर बहुत ज्यादा खून बहने को रोकने में मदद करती है। पत्तागोभी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट सूजन कम करने में मदद करते हैं और लंबी बीमारी की रोकथाम में भी सहायक हैं। इस सब्जी को आसानी से पचाने योग्य बनाने के लिए भाप में पकाना, भूनना या फ्राई करना सबसे अच्छा तरीका है। यह आसानी से पच भी जाती है। पत्तागोभी को दाल या लो फैट मीट जैसे प्रोटीन और हेल्दी फैट के साथ मिलाकर खाने से स्वाद और पोषण दोनों मिलते हैं। ज्यादा न पकाएं। इससे पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं और तेज गंध आ सकती है।

सुविचार

जिंदगी कुछ भी दोहराएगी नहीं जो यादें समेट सको समेट लो।
-अज्ञात

निशाना

गहरी नींद सोना चाहता हूँ..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

मैं कंटीला इक बिछोना चाहता हूं एक गहरी नींद सोना चाहता हूं। क्या हुआ कैसे हुआ कब साथ मेरे अब नहीं यह बोझ ढोना चाहता हूं। बन लिया बनता रहा 'यह' 'वह' हमेशा आज हर पहचान खोना चाहता हूं। आने वाली पीढ़ियों को फल मधुर दें बीज उन वृक्षों के बोना चाहता हूं। याद बनकर मैं सदा दिल में तुम्हारे सिर्फ इक छोटा सा कोना चाहता हूं।

गेजेट्स अपडेट

मैकबुक नियो की भारी डिमांड, भारत में आउट ऑफ स्टॉक हुआ सबसे लोकप्रिय गैजेट

ऐपल के सबसे सस्ते मैकबुक- MacBook Neo की भारी डिमांड देखने को मिली है। भारत में ऐपल की ऑफिशियल वेबसाइट पर MacBook Neo खरीदारी के लिए उपलब्ध नहीं है और आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। दुनिया के अन्य देशों से भी इस गैजेट को लेकर ऐसी ही खबर सामने आ रही है। कुछ दिनों पहले रिपोर्ट आई थी कि ऐपल के पास उस A18 Pro चिपसेट की कमी हो रही है, जिसे मैकबुक नियो में लगाया गया है। इस वजह से नियो के ऑर्डर लेट हो रहे थे।

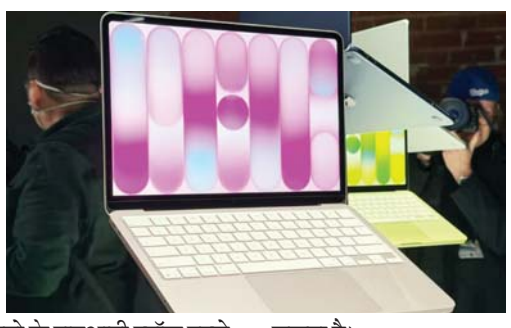

टॉम्स गाइड की रिपोर्ट बताती है कि ऐपल के पास मैकबुक नियो के शुरुआती स्टॉक पहले ही खत्म हो गए हैं। NBT टेक ने जब ऐपल की ऑफिशियल इंडियन वेबसाइट पर चेक किया तो वहां भी मैकबुक नियो उपलब्ध नहीं है। हालांकि थर्ड पार्टी वेबसाइटों पर इसकी उपलब्धता है लेकिन वहां भी कितने दिनों तक स्टॉक रहेगा, कहना मुश्किल है।

मेड इन इंडिया नहीं है मैकबुक नियो: मैकबुक नियो का प्रोडक्शन अभी भारत में नहीं किया जा रहा है। इसे मुख्य रूप से चीन और वियतनाम में बनाया जा रहा है। खबरों की मानें तो चीन और वियतनाम में ऐपल के पार्टनर्स को मैकबुक नियो के ऑर्डर मिले हैं। हालांकि कंपनियां कितनी भी जल्दी प्रोडक्शन शुरू करें, मैकबुक नियो के नए स्टॉक्स को मार्केट में आने में समय लग सकता है। कहा जा रहा है कि यह इंतजार मई तक पहुंचने की उम्मीद है।

मैकबुक नियो को जल्दी कैसे खरीदें?: अगर आप मैकबुक नियो को जल्दी खरीदना चाहते हैं तो भारत में थर्ड पार्टी वेबसाइटों से इसे ले सकते हैं। एमेजॉन, फ्लिपकार्ट या अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्धता को चेक करें। नजदीकी रिटेलर्स से जाकर पूछें। लेकिन अगर आपको ऐपल से डायरेक्ट मैकबुक नियो लेना है तो कुछ दिनों या महीनों का इंतजार करना पड़ सकता है।

भारत में प्राइस और प्रमुख फीचर्सः MacBook Neo की शुरुआती कीमत 69,900 रुपये है। छात्रों के लिए इसके एजुकेशन प्राइस 59,900 रुपये रखे गए हैं। यह कंपनी का अबतक का सबसे इको-फ्रेंडली मैकबुक है, जिसे 60 फीसदी रिसाइकल मटीरियल से बनाया गया है। MacBook Neo में 13 इंच का लिक्विड रेटिना (Liquid Retina) डिस्प्ले है, जिसका रेजॉलूशन 2408×1506 पिक्सल्स है। इसमें A18 Pro चिप इस्तेमाल हुआ है। MacBook Neo को लेकर दावा है कि इसकी बैटरी एक बार चार्ज करने पर 16 घंटे तक चल जाएगी।

अजब - गजब

समुद्र से निकली 500 साल की रहस्यमयी शार्क, वैज्ञानिकों को भी चौंकाया

ग्रीनलैंड शार्क अपनी असाधारण उम्र के लिए जानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह प्रजाति 500 साल या उससे भी अधिक समय तक जीवित रह सकती है। समुद्र की गहराइयों में आज भी कई ऐसे राज छिपे हैं, जिन्हें इंसान पूरी तरह समझ नहीं पाया है। हाल ही में एक ऐसा ही रहस्यमयी जीव समुद्र से निकलकर तट पर मिला है। जिसने वैज्ञानिकों को भी चौंका दिया है। यह कोई आम मछली नहीं है, बल्कि बेहद दुर्लभ प्रजाति की शार्क है, जो सैकड़ों साल तक जीवित रहने के लिए जानी जाती है।

आयरलैंड के काउंटी स्लिगो के फिनिस्क्लिन बीच पर इस अनोखी शार्क का शव पाया गया है. यह ग्रीनलैंड शार्क प्रजाति की थी। जिसे दुनिया के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले कशेरुकी जीवों में गिना जाता है। इसकी लंबाई लगभग 9.5 फीट बताई जा रही है और अनुमान है कि इसकी उम्र कम से कम 150 साल रही होगी। इस रहस्यमयी जीव को सबसे पहले स्थानीय निवासी हम्माद चौधरी और जेम्स विंटर्स ओ'डॉनेल ने समुद्र किनारे टहलते हुए देखा, जिसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई।

पहले इस जीव को देखकर लोगों ने इसे बास्किंग शार्क समझ लिया था। लेकिन बाद में Irish Whale and Dolphin Group ने इसकी पुष्टि की कि यह दरअसल ग्रीनलैंड शार्क है। बताया जा रहा है, आयरलैंड में इस तरह की घटना पहली बार दर्ज की गई है. जिससे यह खोज और भी ज्यादा खास बन गई है। ग्रीनलैंड शार्क अपनी असाधारण उम्र के लिए जानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह प्रजाति 500 साल या उससे भी अधिक समय तक जीवित रह सकती है। आमतौर पर ये शार्क आर्कटिक और उत्तरी अटलांटिक महासागर की गहराइयों में रहती हैं और इनकी लंबाई लगभग 4 से 6 मीटर तक हो सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस शार्क के अवशेषों को अब Natural History Museum of Ireland के पास अध्ययन के लिए भेजा गया है। यहां वैज्ञानिक इसके ऊतकों और शरीर के हिस्सों को सुरक्षित रखेंगे, ताकि इस दुर्लभ प्रजाति के बारे में और गहराई से जानकारी हासिल की जा सके। अगर इसकी त्वचा अच्छी स्थिति में रहती है, तो इसे संग्रहालय में प्रदर्शित भी किया जा सकता है, जिससे आम लोग भी इस रहस्यमयी जीव को करीब से देख सकेंगे।

न्यूज विंडो

नर्मदापुरम् की नारी शक्ति ने नजदीक से देखी संसद की कार्रवाई

नर्मदापुरम। संसद में ऐतिहासिक बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने की जारी कार्यवाही को देखने के लिए संसद दर्शन सिंह चौधरी के नेतृत्व में उनके संसदीय क्षेत्र से पांच महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। जिसमें होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र से प्रदेश सहकार्यालय मंत्री महिला मोर्चा ललिता पुर्विया, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा इटारसी जागृति भदौरिया, भाजपा नेत्री वंदना दुबे शामिल हैं। सभी ने संसद में होने वाली कार्यवाही को नजदीक से देखा। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने बताया कि नारी शक्ति वंदन के तहत शुक्रवार देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम की संसद में कार्यवाही की हम महिलाएं साक्षी बनी हैं। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि हमारे क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी की विशेष अनुशंसा पर हमें इस गौरवमयी क्षण में शामिल होने का मौका मिला है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पूर्व मंडल रोहित गौर आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम का जन्म धर्म, मर्यादा और आदर्श जीवन का संदेश: लोकेंद्र दास

गंजबासौदा। मूड़रीधाम स्थित श्री राम जानकी मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान शुक्रवार को भगवान श्रीराम जन्मोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। चित्रकूटधाम से पधारे कथावाचक लोकेन्द्र दास जी महाराज ने जैसे ही राम जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया, पूरा कथा पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के जन्म की आकर्षक झांकी सजाई गई। भजन-कीर्तन, मंगल गीतों और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालु झूम उठे तथा पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा के मुख्य यजमान अखैसिंह मैना ने सपत्नी व्यासपीठ का विधि-विधान से पूजन किया। कथावाचक लोकेन्द्र दास जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम का अवतरण अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ। उनका जीवन सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और त्याग का सर्वोच्च उदाहरण है। श्रीराम केवल ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जीवन के प्रत्येक चरण में धर्म और मर्यादा का पालन किया। एक आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति और आदर्श राजा के रूप में उनका चरित्र हर व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। कठिन परिस्थितियों में भी धर्म का साथ न छोड़ने का संदेश श्रीराम के जीवन से मिलता है। महंत 108 परशुराम दास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को राम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए टॉफियां वितरित कीं तथा प्रसन्नता स्वरूप नोटों की बधाइयां भी दीं। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

ब्यावरा में भीषण सड़क हादसे के बाद हाइवे पर चक्काजाम, लोगों ने सड़क पर शव रखकर किया प्रदर्शन

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, मां-बेटे की दर्दनाक मौत, चाचा-भतीजी गंभीर, भीड़ ने जाम किया हाईवे

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आलम ये है कि, यहां रोजाना सड़क हादसों में सैकड़ों लोग घायल हो रहे हैं, जबकि इन्हीं में से दर्जनों अपनी जान भी गवा रहे हैं। हालिया भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है सूबे के राजगढ़ जिले के ब्यावरा से। यहां शहर के एबी रोड बायपास पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। शुक्रवार देर शाम रेस्टहाउस रोड के जोड़ पर हुई इस दुर्घटना में मां और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चालक युवक और उसकी भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद भीड़ ने पुलिस पर आरोपी वाहन को नहीं पकड़ने के आरोप में चक्काजाम कर दिया। सूचना पर पुलिस अफसरों ने भीड़ को किसी तरह से जाम खुलवाया। तब कहीं जाकर करीब 45 मिनट बाद हाइवे पर यातायात बहाल हो सका।

देहात थाना पुलिस के अनुसार, मोया में रहने वाले 22 वर्षीय सुनील वर्मा पुत्र रामलाल वर्मा अपनी भाभी 26 वर्षीय पवित्रा पत्नी अनिल वर्मा और एक साथ के भतीजे कान्हा वर्मा और 4 वर्षीय बच्ची टुकटुक के साथ बाइक से राजगढ़ बायपास चौराहे से एबी रोड बायपास की तरफ जा रहा था। तभी शाम करीब 6.45 बजे करीब पीछे से आ रहा ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गाड़ी समेत गिर गए। ट्रक पवित्रा और उसकी गोद में बैठा कान्हा को रौंदता हुआ ऊपर से निकल गया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि मृतका का बाइक चालक देवर अनिल और 4 साल की बच्ची घायल हो गए।

डायल- 112 के पायलट और स्टॉफ पर आरोप

आरोप है कि घटना के वक्त रेस्टहाउस जोड़ पर खड़ी देहात थाने की डायल- 112 के पायलट और स्टॉफ ने भी आरोपी वाहन व चालक को पकड़ने की कोशिश नहीं की। इससे नाराज होकर मौके पर जमा हुई भीड़ ने एक लेन पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे शहर टीआई वीरेंद्र धाकड़, देहात थाने के फोर्स ने किसी तरह से समझाइश देते हुए भीड़ को नियंत्रण में लिया। साथ ही मृतक मां, बेटे के शवों का पंचनामा कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया, साथ ही जाम खुलवाया। इस पूरे घटनाक्रम में करीब एक घंटे हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सोनम का जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने किया सम्मान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेष की मेरिट में 10वें स्थान पर रहीं गरेंठा स्कूल की छात्रा सोनम यादव का सम्मान करने के लिए जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरियाबसिंह कुर्मी अमीरगड़ में स्थित उनके निवास पर पहुंचे। शिक्षक ओमप्रकाश प्रजापति और स्टाफ के साथ पहुंचे कुर्मी ने सोनम की सफलता को अन्य ग्रामीण बच्चों के लिए प्रेरणास्पद बताया है। इधर पीएमश्री भौरियां के स्टाफ ने 88.2 प्रतिषत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा रोषनी अहिरवार का घर पहुंचकर सम्मान किया। इस दौरान स्कूल स्टाफ के सदस्य मौजूद थे।

दो दिन बाद मिल सका स्कूलों का डाटा, हाईस्कूल में 71.12 और हासे में 79.19 परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

लगातार दूसरे साल विकासखंड के सरकारी हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों परीक्षा परिणाम पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा है। 2024-25 में 10वीं कक्षा में 70.66 फीसदी बच्चे पास हुए थे। वहीं 2025-26 में 71.12 फीसदी बच्चों ने हाईस्कूल की परीक्षा पास कर ली है। इसी तरह 2024-25 में हासे परीक्षा में 75.65 बच्चे उत्तीर्ण हुए और इस साल इस साल परिणाम में 4 फीसदी इजाफा होकर 79.19 फीसदी बच्चे पास हो गए हैं। इसके साथ ही पहली बार ऐसी स्थिति बनी है कि दोनों ही कक्षाओं की प्रदेष की मेरिट सूची में दो-दो छात्र-छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है। हाईस्कूल परीक्षा में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की छात्रा निधि दांगी ने छठवां और गरेंठा स्कूल की छात्रा सोनम यादव ने 10वां स्थान हासिल किया है। इसी तरह हासे परीक्षा नवीन मॉडल स्कूल के छात्र कृष्णम नेमा ने जीव विज्ञान संकाय में प्रदेष में छठवां और वाणिज्य संकाय में कन्या हासे स्कूल की छात्रा वेदिका नेमा ने प्रदेष में सातवां स्थान हासिल किया है। विकासखंड में 29 हाईस्कूल है। इनमें 1084 बच्चों में से 1077 परीक्षा में बैठे थे। इनमें से 766 ने परीक्षा उत्तीर्ण की और 311 अनुत्तीर्ण हो गए है। इनमें टॉप थ्री स्कूल टोरी बागरोद, पगरानी और देहरी जागीर रहे हैं। इन तीनों ही स्कूलों में 100 फीसदी बच्चों ने परीक्षा पास की। जबकि दीपनाखेड़ा में केवल 33.33 बच्चे ही पास हो सके हैं। वहीं भगवंतपुर और देवपुर हाईस्कूल में भी केवल 50 फीसदी बच्चे ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सके हैं। इधर पीएमश्री स्कूल बरेज के 62.50 और भौरिया के 78.57 फीसदी बच्चों ने 10वीं पास की है। क्षेत्र में 10 सरकारी हासे स्कूलों के 909 परीक्षार्थियों में से 908 परीक्षा में बैठे थे। इनमें 719 ने परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा 189 असफल हो गए। इन स्कूलों में चाठौली हासे स्कूल का परिणाम सबसे बेहतर 93.75 फीसदी रहा। इसके बाद घटवार 92.86 और बामौरीषाला का परिणाम 87.88 फीसदी रहा। हासे में गरेंठा स्कूल के 64.18 फीसदी बच्चे ही परीक्षा पास कर सके हैं। इसके अलावा मुगलसराय स्कूल के 64.29 फीसदी बच्चे उत्तीर्ण हो सके हैं।

सरकारी स्कूलों का डाटा संग्रहित करने में बीईओ ऑफिस को दो दिन में लग और गुरूवार देर शाम बीईओ ये जानकारी दे सके। जबकि क्षेत्र के सभी प्रायवेट स्कूलों का डाटा शुक्रवार शाम तक बीईओ ऑफिस तक नहीं पहुंच सका। इधर शहर के पुराने स्कूलों में शामिल हबीबिया हासे स्कूल के बच्चों का परिणाम पोर्टल पर तीन दिन बाद भी दिखाई नहीं दे रहा। बच्चे हर दिन स्कूल जा रहे हैं लेकिन उन्हें किसी भी तरह का संतुष्टिदायक जानकारी नहीं मिल पा रही।

बीईओ ने पुष्पेन्द्र वर्मा बताया कि प्रायवेट स्कूलों का डाटा जल्द ही मिल जाएगा। सभी शासकीय स्कूलों के परीक्षा परिणाम हमारे पास आ गए हैं। शुक्रवार शाम तक 2 प्रायवेट स्कूलों का डाटा नहीं मिल सका था। हबीबिया हासे स्कूल का परिणाम पोर्टल पर शो नहीं होने के संबंध में हमने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया है।

अधिवक्ताओं के बीच हुआ विवाद, एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अधिवक्ताओं के दो गुट मीनाक्षी चौक के पास अधिवक्ता संघ कोषाध्यक्ष ऑफिस झगड़ पड़े। आरोप है कि अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने अपने दो बेटे और अन्य युवकों के साथ मिलकर कोषाध्यक्ष की जमकर कुटाई कर दी। जवाब में कोषाध्यक्ष ने भी अपने साथी अधिवक्ता के साथ मिलकर अध्यक्ष पुत्र, उसके दोस्त से मारपीट की। झगड़े में एक अधिवक्ता के कपड़े भी फट गए। देर रात तक कोतवाली थाने में हाई प्रोफाइल ड्रामा चलते रहा। रात 3.30 बजे पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से काउंटर केस दर्ज किया। झगड़े की वजह सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप पर अर्नगल टिप्पणी करना है। झगड़े में अधिवक्ता राकेश शर्मा का कान तक जख्मी हो गया। जिला अधिवक्ता संघ के कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा और संघ के अध्यक्ष दीपक जैन के पुत्र रोहन जैन के बीच विवाद से हुई। अध्यक्ष के बेटे ने कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा की सरेराह जमकर पिटाई कर दी। इस भिड़ंत में शर्मा के कान में चोट आई है। अधिवक्ता संघ कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा की तरफ से संघ अध्यक्ष दीपक जैन, उनके दोनों पुत्र रोहन जैन, मुन्नू जैन और अन्य दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज कराया। दूसरे पक्ष से अधिवक्ता रोहन जैन की तरफ से कोषाध्यक्ष अधिवक्ता राकेश शर्मा, अधिवक्ता केशव चौहान, दुर्गेश सल्लाम के खिलाफ मारपीट कराया है।

जानकारी के अनुसार इस मारपीट के पीछे की वजह सोशल मीडिया की जंग है। अध्यक्ष दीपक जैन के पुत्र रोहन का आरोप है कि कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने उनके पिता (संघ अध्यक्ष) के खिलाफ व्हाट्सएप ग्रुप पर अनर्गल टिप्पणी करता था। राकेश शर्मा का कहना है कि अधिवक्ता संघ अध्यक्ष, सचिव ने 17 अप्रैल को एक सूचना जारी की। जिसमें 20 अप्रैल को संघ की मीटिंग में दो साल की आय व्यय का हिसाब देने का लिखा था। मैंने भी व्हाट्सएप ग्रुप पर अध्यक्ष दीपक जैन द्वारा दो साल बेची जाली का हिसाब देने का लिखा। जिस पर अध्यक्ष पुत्र रोहन का खून खोल गया। सोशल मीडिया ग्रुप पर ही रोहन मुझसे अपशब्द कहने लगा। कुछ देर बाद वो ऑफिस आएं और हमसे मारपीट की। घटना के बाद कोतवाली थाना क्षेत्र में माहौल गरमा गया। एसआई विशाल नागवे ने बताया दोनों पक्षों ने केस दर्ज कराया है।

बार एसोसिएशन में गुटबाजी, जुटे अधिवक्ता

देर रात बड़ी संख्या में वकील कोतवाली थाने पहुंच गए। घंटों तक गहमागहमी चलती रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर लिया है। बार एसोसिएशन के भीतर इस घटना को लेकर काफी चर्चा और गुटबाजी का माहौल बना हुआ है। बता दें अधिवक्ता संघ का कार्यकाल पूरा होने वाला है। दोबारा चुनाव होंगे। इससे पहले यह झगड़ा हो गया। जो वकील दूसरों को इंसाफ दिलाते हैं, वे अपनी इस आपसी लड़ाई को कोर्ट के बाहर सुलझा पाते हैं या यह कानूनी जंग और लंबी होगी।

खाद-उर्वरक भंडारण-वितरण पर हो निगरानी कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई- कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले में खाद एवं उर्वरकों के भंडारण और वितरण पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया।शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने गोदामवार और समितिवार उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली। उप संचालक कृषि के अनुसार, अप्रैल माह के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। डबल लॉक केंद्रों पर 6310 मीट्रिक टन यूरिया और 6800 मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स उर्वरक मौजूद हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मार्केटिंग प्रभारी ने बताया कि समितियों में 111 एमटी यूरिया, 24 एमटी डीएपी, 222 एमटी कॉम्प्लेक्स और 700 एमटी एसएसपी उपलब्ध है। वितरण ई-टोकन प्रणाली से मांग अनुसार होगा। कलेक्टर ने नियमित आकलन, राज्य को मांग भेजने, किसानों से संपर्क, फील्ड विजिट और पोर्टल अपडेट के निर्देश दिए। उन्होंने शत-प्रतिशत ई-विकास पोर्टल के माध्यम से वितरण सुनिश्चित करने और ऑफलाइन वितरण पर पूर्ण पाबंदी लगाने का आदेश दिया। उर्वरक-बीज कालाबाजारी रोकने हेतु नियमित निरीक्षण, नमूने जांच और अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सभी विभागों को समन्वय बनाए रखने को कहा गया।

मेट्रो एंकर — नर्मदापुरम में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला पंचायत के सभागार में शुक्रवार को हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (कक्षा 10वीं-12वीं) परीक्षा वर्ष 2026 में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के शानदार परिणाम के उपलक्ष्य में जिले के 52 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, मेडल एवं उपहार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे तथा रुपेश राजपूत सहित कई अधिकारी-शिक्षक उपस्थित रहे। अतिथियों ने समारोह में अपने-अपने संबोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया।विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि 10वीं-12वीं की परीक्षाएं विद्यार्थी के जीवन का महत्वपूर्ण टर्निंग प्वाइंट होती हैं, लेकिन यह अंतिम पड़ाव नहीं है। उन्होंने बताया कि जीवन में आगे और भी चुनौतियां और अवसर आते हैं, जिन्हें आत्मविश्वास के साथ ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत 2047 की दूरदर्शी परिकल्पना के सच्चे साझेदार बनने को प्रेरित किया और कहा कि आज के मेधावी विद्यार्थी ही भविष्य में देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों के शिक्षकों, माता-पिता एवं पूरे परिवार की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि परिवार और शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों के चेहरे पर आत्मविश्वास, खुशी और उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने यह भी आह्वान किया कि विद्यार्थी भविष्य में भी निरंतर मेहनत, लक्ष्य के प्रति समर्पण और हर परीक्षा का डटकर सामना करने की प्रतिज्ञा लें। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिक्षा को भविष्य निर्माण की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त अस्त्र है, जिससे विद्यार्थी किसी भी चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं को जीवन में आगे बढ़ने और सही दिशा निर्धारित करने का प्रथम सोपान बताया। उनका कहना था कि यही उत्कृष्ट परीक्षाएं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखती हैं।कलेक्टर ने विद्यार्थियों को आगे आत्मविश्वास बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह मेधावी युवा निश्चय ही अपने परिवार, जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के हर वर्ग के उत्थान में योगदान देने की जिम्मेदारी समझने के लिए आह्वान किया और शिक्षा के प्रति लगातार लगन बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का माध्यम मान कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा को उन्होंने ऐसे पंख के रूप में वर्णित किया, जो विद्यार्थियों को सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचाते हैं। परीक्षा परिणाम और विद्यार्थी सम्मानइस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति ने जिले के परीक्षा परिणाम की जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं की परीक्षा में 78.29 प्रतिशत और कक्षा 12वीं की परीक्षा में 81.65 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे। समारोह में हाई स्कूल परीक्षा के 31 और हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा के 21 विद्यार्थियों को क्रमशः प्रमाणपत्र, मेडल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंत में जिला परियोजना समन्वयक राजेश जायसवाल ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हनुमान चौक से पाराशरी पुल तक लंबा जाम, एंबुलेंस फंसी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर के व्यस्ततम क्षेत्र हनुमान चौक से पाराशरी पुल तक शनिवार को लंबा जाम लगने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ एक एंबुलेंस भी काफी देर तक फंसी रही, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई।

जानकारी के अनुसार शादी सीजन के चलते माता पूजन के लिए आने वाले बैंड-बाजों के वाहन, निजी गाड़ियां एवं अन्य वाहन सड़क किनारे अव्यवस्थित ढंग से खड़े कर दिए गए थे। सड़क पर वाहनों की कतार लगने से यातायात बाधित हो गया और देखते ही देखते हनुमान चौक से पाराशरी पुल तक लंबा जाम लग गया। जाम के कारण बाजार क्षेत्र में पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। वाहन चालक काफी देर तक जाम खुलने का इंतजार करते रहे। स्थानीय लोगों ने कहा कि व्यस्त मार्गों पर अन्यंत्रित वाहन यातायात नियंत्रण के अभाव में आए दिन ऐसी स्थिति बनती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शादी सीजन और भीड़भाड़ वाले दिनों में प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

न्यूज विंडो

अंबेडकर जयंती पर मंत्री ने सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की

तेंदूखेड़ा। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाड़े के अवसर पर नगर में अहिरवार समाज संघ, ब्लॉक के तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल थाने के पास पर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः प्रतिमा स्थल पहुंची। इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी शुरुआत मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लोधी ने बाबा साहब के मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर देश को संविधान प्रदान किया, जो सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। उन्होंने समाज से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस दौरान मंत्री लोधी ने अहिरवार समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर छतरी एवं रेलिंग का निर्माण कराया जाए, जिससे स्थल का सौंदर्यीकरण और संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

बैंक लूट के बाद सुरक्षा पर सवाल, अधिकांश शाखाओं में गार्ड नदारद

शहडोल। हाल ही में हुई बैंक लूट की घटना ने शहडोल संभाग के बैंकिंग सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। संभाग के कई जिलों में संचालित बैंक शाखाओं में सुरक्षा गार्ड नहीं होने की स्थिति सामने आई है, जो बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, सिंगरौली क्षेत्र के कुछ लोगों का कहना है कि जिस बैंक में लूट की वारदात हुई, वहां सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति ही अपराधियों के लिए आसान रास्ता बनी। यह स्थिति केवल एक बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि शहडोल, अनूपपुर और उमरिया जिले के कई बैंकों में भी यही हालात देखने को मिल रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जहां प्रतिदिन लाखों से करोड़ों रुपए का लेनदेन होता है, वहां बिना सुरक्षा गार्ड के बैंक संचालन कैसे किया जा रहा है? बैंकिंग नियमों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य मानी जाती है, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

नौगांव पुलिस की माईकल के किराए के मकान पर दबिश, हजारों की शराब जब्त

धार। पुलिस ने नौगांव के गढ़ी मोहल्ला स्थित एक किराए के मकान पर छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध देशी और अंग्रेजी शराब जब्त की है। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची जहां संदिग्ध मकान बंद मिला। स्थानीय लोगों से पूछताछ कर मकान मालिक के पुत्रों को बुलाकर पुछताछ की गई जिनके व्दारा बताया गया कि उक्त मकान माईकल उर्फ प्रकाश पिता नंदकिशोर परमार को किराये पर दिया गया है। पंचों की उपस्थिति में जब मकान का ताला तोड़ा गया, तो अंदरविभिन्न ब्रांड्स की शराब का बड़ा स्टॉक जमा किया गया था, पुलिस ने मौके से अंग्रेजी और देशी शराब की पेटियों को जप्?त किया है, जिनकी कीमत 80 हजार के करीब आंकी गई है। छापेमारी के दौरान आरोपी माइकल उर्फ प्रकाश मौके पर मौजूद नहीं था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक हीरुसिंह रावत, सहायक उप निरीक्षक अरुण कुमार, प्रधान आरक्षक हेमराज कटारे, सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक प्रशांत गुंजाल समेत मुकेश डावर, तेजप्रकाश द्विवेदी और तरुण सिंह बैस की मुख्य भूमिका रही।

बंदूक लहराकर सबको बंधक बनाया, कुछ ही मिनटों में करोड़ों पार

सिंगरौली। सिंगरौली से चौंका देने वाला मामला सामने आ रहा है। यहां हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े बैंक लूट लिया। बदमाशों ने पहले बैंक में घुसते ही उत्पात मचाया फिर वहां मौजूद सभी लोगों, कर्मचारी और मैनेजर को बंधक बना लिया। बदमाशों ने मैनेजर से मारपीट भी की। कैश-सोना-चांदी सहित लाखों का माल लुटेरे लूटकर ले गए। यह पूरी वारदात बस 20 मिनट में हुई पुलिस ने शहर में नाकाबंदी लगा दी है। मामले की जांच शुरू हो चुकी है। घटना के दौरान आरोपियों ने दहशत फैलाने के लिए गोली भी चलाई, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिदेशक भी भोपाल से रवाना हो गए हैं और घटनास्थल की ओर जा रहे हैं। मामला शुक्रवार दोपहर का है। शहर में स्थित बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र की ब्रांच में रोज का काम चल रहा था। करीब एक बजे के आसपास पहले 2 हथियारबंद बदमाश बैंक में घुसे और हथियार लहराने लगे। इन बदमाशों में से एक ने हेलमेट पहन रखा था। बदमाशों ने हथियारों का डर दिखाकर वहां मौजूद लोगों से चुप रहे को कहा और उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने मैनेजर को पकड़ लिया, इसी दौरान तीन और बदमाशों बैंक के अंदर दाखिल हो गए।

तेंदूखेड़ा के चार मंजिला मॉल में हुआ लिफ्ट हादसा, पड़ताल जारी

लोडिंग लिफ्ट 50 फीट ऊपर से गिरी, एक की मौत, दो गंभीर

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में गुरुवार शाम एक गंभीर हादसा घटित हुआ जिसमे जब एक चार मंजिला मॉल में लगी लोडिंग लिफ्ट अचानक लगभग 50 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गई। इस दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें मॉल संचालक का पुत्र भी शामिल है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मार्ग पर स्थित मॉल में स्थापित लिफ्ट का उपयोग मूलतः सामान ढुलाई (लोडिंग) के लिए किया जाना था, लेकिन बीते लगभग दो माह से मॉल संचालक द्वारा इसका उपयोग ग्राहकों को सामान दिखाने के लिए ऊपर-नीचे लाने के लिए किया जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी ही इस बड़े हादसे का प्रमुख कारण बनी।

बताया गया है कि बांदीपुरा गांव के देवेंद्र लोधी शादी का सामान खरीदने तारादेही निवासी कमलेश लोधी जो तेंदूखेड़ा नगर परिषद के कर्मचारी हैं जल सप्लाई का काम देखते हैं को साथ लेकर मॉल पहुंचे इसी दौरान मॉल संचालक का सौरभ सोनी भी उनके साथ लिफ्ट के जरिए चौथी मंजिल पर जा रहा थे। जैसे ही लिफ्ट चौथी मंजिल के पास पहुंचने वाली थी, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेज आवाज के साथ नीचे आ गिरी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस हादसे में नगर परिषद कर्मचारी कमलेश लोधी, मॉल संचालक का सौरभ सोनी तथा बांदीपुरा निवासी देवेंद्र लोधी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जबलपुर में इलाज के दौरान गुरुवार की रात्रि रात्रि लगभग 10 बजे कमलेश लोधी (उम्र 37 वर्ष) ने दम तोड़ दिया, जबकि अन्य दोनों घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो इस प्रकार की घटना टाली जा सकती थी। फिलहाल प्रशासन द्वारा मामले की जांच की बात कही जा रही है और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। यह हादसा लापरवाही और नियमों की अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है। नगर निरीक्षक रावेन्द्र बागरी का कहना है घटना के संबंध में जांच चल रही है।

दुकान संचालक की लापरवाही आई सामने

4 मंजिला दुकान की लोडिंग लिफ्ट अचानक टूट गई और लिफ्ट करीब 50 फीट से नीचे जा गिरी। इस दौरान लिफ्ट से दुकान में आए ग्राहकों को चौथी मंजिल पर ले जाया जा रहा था, जिससे लिफ्ट में दुकान संचालक के पुत्र समेत सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों में से एक की जबलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं शेष दो घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। घटना में मृतक तेंदूखेड़ा नगर परिषद में जल सप्लाई विभाग का कर्मचारी बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार थाना मार्ग पर प्रहलाद सोनी की वर्तन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक समान की एक चार मंजिला दुकान है। इस दुकान में सामान की ढुलाई के लिए एक लिफ्ट लगाई गई थी लेकिन समय के साथ दुकान संचालक ने इस लिफ्ट का उपयोग दुकान में आने वाले ग्राहकों को भी अन्य मंजिलों पर ले जाने के लिए करना शुरू कर दिया। गुरुवार को बांदीपुरा गांव के देवेंद्र लोधी शादी का सामान खरीदने के लिए तारादेही निवासी कमलेश लोधी के साथ लेकर उक्त दुकान पहुंचे थे। इसी दौरान दुकान संचालक का पुत्र सौरभ सोनी उन्हें लेकर लिफ्ट से चौथी मंजिल पर जाने लगा। जब लिफ्ट चौथी मंजिल के समीप पहुंचने वाली थी, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेज आवाज के साथ नीचे आ गिरी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना में घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। जबलपुर में इलाज के दौरान गुरुवार की रात्रि लगभग 10 बजे कमलेश लोधी की मौत हो गई। मामले में दुकान संचालक की एक बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पिछले लगभग दो माह से मॉल संचालक द्वारा इसका उपयोग ग्राहकों को अन्य मंजिलों पर ले जाने के लिए किया जा रहा था।

42 डिग्री तापमान, 20 अप्रैल से प्राथमिक स्कूलों में छुट्टी की अपील

शहडोल। दोपहर मेट्रो

संभाग में लगातार बढ़ते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इन दिनों पारा 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है, जिससे आमजन के साथ-साथ छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं और अत्यधिक तापमान के चलते घर के अंदर भी डिहाइड्रेशन जैसी स्थिति बन रही है, जहां गला और होंठ सूखने की समस्या आम हो गई है। ऐसे हालातों को देखते हुए सामाजिक संगठनों, अभिभावकों और जागरूक नागरिकों ने शहडोल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से मांग की है कि 20 अप्रैल से छोटे बच्चों (प्राथमिक स्तर) के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, तेज गर्मी में छोटे बच्चों के शरीर में पानी की कमी जल्दी हो जाती है, जिससे चक्कर आना, थकान, उल्टी और बेहोशी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। स्कूल आने-जाने के दौरान धूप में रहने से खतरा और बढ़ जाता है।

अमानक बीज बेचकर किसानों से लाखों की धोखाधड़ी, हैदराबाद की नुन्हेम्स इंडिया कंपनी पर हुआ प्रकरण दर्ज

किसानों ने लगाई थी करेले की फसल, उत्पादन नाममात्र होने से हुआ लाखों का नुकसान

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गाँवों के किसानों के साथ बीज के नाम पर हुई बड़ी धोखाधड़ी के बाद हैदराबाद की बीज कंपनी नुन्हेम्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड द्वारा बेचे गए अमानक बीज और उससे तैयार रोपों के कारण किसानों की करेले की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। प्रशासन की जाँच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

नवम्बर 2025 में मनावर क्षेत्र के ग्राम बोरुद, देवला, लंगूर, करोली, सिरसाला, बालीपुर, भरडपुर, जाटपुर, जोतपुर, अजन्दा, लिम्बी, अहमदपुर और पिपरीमान के किसानों ने नुन्हेम्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड तेलंगाना के बीज और रोपे क्रय कर अपने खेतों में लगाए थे। किसानों ने फसल की पूरी देखभाल की और आवश्यक कृषि प्रक्रियाओं का पालन किया, लेकिन फलन के समय करेले छोटे, पीले होकर गिरने लगे। उत्पादन नाममात्र का होने से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ।

परेशान किसानों ने 17 फरवरी को उप संचालक उद्यान जिला धार को सामूहिक शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि वैज्ञानिकों, डी.एस. मण्डलोई और वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कुक्षी, डी.एस. चौहान की एक संयुक्त टीम ने प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में टीम ने पाया कि किसानों ने विधिवत तरीके से रोपण और देखभाल की थी। कंपनी द्वारा प्रदाय किया गया बीज और रोपा अमानक पाया गया। कंपनी ने प्रमाणित बताकर किसानों को अमानक बीज बेचे, जिससे उन्हें आर्थिक नुकासान हुआ। जाँच में कंपनी द्वारा धोखाधड़ी कर अवैध लाभ अर्जित करने की पुष्टि होने के बाद, पुलिस ने नुन्हेम्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड हैदराबाद के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम और बीज अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

मनावर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि उन्होंने भारी उम्मीद और कर्ज लेकर बुआई की थी, लेकिन नामी कंपनी ने उनके साथ विश्वासघात किया है। किसानों ने अब प्रशासन से उचित मुआवजे और कंपनी के लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है।

पुलिस टीम ने धार की चाणक्यपुरी कॉलोनी से दबोचा

तिरला पुलिस ने सालों से फरार अवैध शराब तस्कर मोहन को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

तिरला, मनावर, पीथमपुर और नालछा क्षेत्र के गंभीर अपराधों में पिछले 4 वर्षों से फरार चल रहे शातिर आरोपी मोहन को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी अवैध शराब तस्करी का आदतन अपराधी है और लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। पुलिस को 16 अप्रैल को सटीक सूचना मिली थी कि आरोपी मोहन अपने घर से चाणक्यपुरी की ओर आने वाला है। नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के नेतृत्व में तिरला थाना प्रभारी ज्योति पटेल और सायबर सेल की टीम ने तत्काल चाणक्यपुरी में दबिश दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पीछा कर धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी मोहन पिता

दरियावसिंह वास्केलनिवासी चाकल्या तिरला के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं, वर्ष 2024 में तिरला थाना अंतर्गत ग्राम खिडकिया खुर्द में 42 पेटी अवैध बीयर, एक पिकअप और 7 मोटरसाइकिलें जब्त की गई थीं। मोहन तब से फरार था, 2020 में पीथमपुर आबकारी एक्ट के मामले में 2023 से स्थाई वारंटी था। मनावर में 2022 के आबकारी एक्ट में अवैध शराब में मामले में भी फरार चल रहा था। नालछा पुलिस को भी गंभीर अपराध में मोहन की तलाश थी। इस सराहनीय कार्य में तिरला थाना प्रभारी निरीक्षक ज्योति पटेल, सायबर सेल प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल, उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सिंगोड, प्रधान आरक्षक. राकेश रावत, आरक्षक अनारसिंह, प्रधान आरक्षक मुकेश डावर, आरक्षक प्रशांत सिंह चौहान और आरक्षक तरुणसिंह बैस का विशेष योगदान रहा।

दीवार में छिपकर बैठा था पांच फीट लंबा कोबरा, जंगल में सुरक्षित छोड़ा

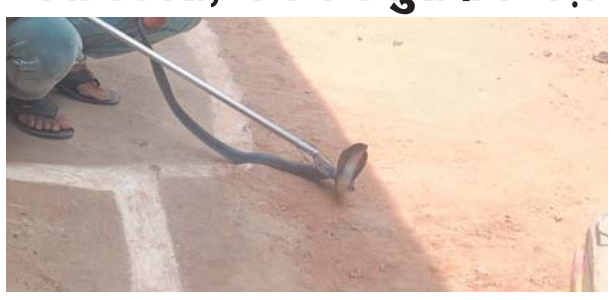

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को नगर के वार्ड क्रमांक 9 में पत्रकार विशाल रजक के मकान में कोबरा सांप घुस जाने से हड़कंप मच गया सांप घर के पीछे तरफ बनी दीवार के अंदर जाकर दीवार की बिल में छिप कर बैठ गया और फुफकारने लगा जिसकी आवाज सुनकर परिवार में हड़कंप मच गया सांप होने का पता उस समय चला जब सांप दीवार के अंदर से अपना आधा मुंह निकाल रहा था जिसके बाद घर में दहशत फैल गई बाद मे घर मे सांप होने की सूचना स्नेक कैचर गोविंद पाटकार को दी गई जहां सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सांप को पकड़ने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया गया कि सांप एक पक्की दीवार में बने छेद में जाकर छिप गया और बाहर नहीं आ रहा था। स्नेक कैचर ने पहले सांप को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं निकला तो दीवार का कुछहिस्सा तोड़ना पड़ा आधा घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सांप को बाहर निकाला गया। जैसे ही सांप को बाहर निकाला गया, उसने गुस्से में जोरदार फुफकार मारी। यह देखकर मौके पर मौजूद लोग डर गए। हालांकि स्नेक कैचर ने उसे नियंत्रित कर सुरक्षित पकड़ लिया स्नेक कैचर गोविंद पाटकार के अनुसार, पकड़ा गया सांप कोबरा प्रजाति का है, जो करीब 5 फीट लंबा और लगभग 4 किलोग्राम वजनी है। यह नया और बेहद जहरीला सांप है। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। क्योंकि कोबरा के काटने पर समय पर इलाज न मिलने से जान भी जा सकती है। रेस्क्यू के बाद पकड़े गए सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जाएगा, ताकि वह अपने प्राकृतिक वातावरण में वापस जा सके।

मेट्रो एंकर बस के नीचे पति के दोनों पैर दबे, पत्नी को सीने से लगाकर बिलखता रहा पति

टांडा घाट पर यात्री बस अनियंत्रित होकर पलटी, हादसे में 15 घायल

धार। दोपहर मेट्रो

राजगढ़-कुक्षी मार्ग पर स्थित आंबासोटी में टांडा घाट पर शनिवार सुबह राजगढ़ से मनावर की ओर जा रही भगवती ट्रैवल्स की निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में 15 से अधिक यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से एक युवक की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

भगवती बस राजगढ़ मनावर वाया बाग जा रही थी तभी टांडा घाट पर तेज गति से चलाते हुए अंधे मोड पर रोड पर लाल पलट गई। बस में 40 से अधिक यात्री बैठे थे, जिसमें करीबन 16 लोग घायल है जिन्हे टांडा राजगढ़ एवं सरदारपुर अस्पताल में भेजा गया।, सवारी को अन्य साधनों से रवाना किया

गया। बस रोड पर पलटने से रोड बाधित हो गया था, बस को क्रेन के माध्यम से साइड में कर आवागमन चालू किया गया। ड्राइवर कमलेश पिता गेंदालाल प्रजापत उम्र 26 वर्ष निवासी गुमानपुरा फरारा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सुबह करीब साढे 9 बजे हुआ। टांडा घाट शुरू होते ही बस बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में ग्राम घर निवासी संजय के दोनों पैर बस के नीचे दबकर बुरी तरह कुचल गए। मौके पर मची चीख-पुकार के बीच संजय की पत्नी, जो खुद भी घायल थी, अपने पति को गले लगाकर बिलखती रही। हादसे की सूचना मिलते ही रिंगनौद चौकी पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। डॉ. यतेंद्र जैन ने बताया कि संजय की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद उच्च केंद्र रेफर कर दिया गया है। टांडा अस्पताल में कुल 7 घायलों का उपचार किया गया। रिंगनौद चौकी प्रभारी गुलाब सिंह भयड़िया के अनुसार, 7 अन्य घायलों को राजगढ़ के कंचन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुल 14-15 यात्रियों को चोटें आई हैं फरार चालक की तलाश की जा रही है।

ये हुए घायल

हादसे में लालचंद पिता चंपालाल जी सोलंकी उम्र 78 साल निवासी रिंगनोद, नेम लाल पिता नारायण जी भायल उम्र 55 साल निवासी पेटलावद, जंगली भाई पति देवी सिंह मोबाइल जाती बिलाड़ा उम्र 50 साल निवासी ग्राम पनवा थाना गंधवानी, हीरालाल पिता दतिया अजनार उम्र 25 साल निवासी वालनेरा थाना गंधवानी जिला धार, ऋतु पिता नारायण राठौर उम्र 24 साल निवासी टांडा, तोशिका पिता पप्पू वसुनिया उम्र 21 साल निवासी राजगढ़ थाने के सामने, संतोषी पति छोटू वास्केल उम्र 40 साल निवासी उजाड़िया, 8 भूरी बाई पति कनालाल डाबर उम्र 35 साल निवासी उजाड़िया घायल हुए।

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
Advt. No. R&P/316/2026 **Date: 17.03.2026**
Online applications are invited in the prescribed Application Form from eligible candidates for appointment to the post of Assistant Professor in the Academic Pay Level-10 of the 7th Central Pay Commission Pay Matrix, in the Departments of Computer Science, Economics, and Psychology, University of Delhi. The last date for receipt of application is two weeks from the date of publication of the advertisement in the Employment News. For details, please visit the University website www.du.ac.in and click "Advertisement - Departments" under the Head "Work with DU".
Any addendum/corrigendum shall be posted only on the University website.
CBC - 21231/12/ 0002/2627 REGISTRAR

समरीन ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरें

अर्शदीप का लकी चार्म! पंजाब-मुंबई मैच के दौरान दिखी ये मिस्ट्री गर्ल कौन?

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले में जहां एक तरफ अर्शदीप सिंह ने अपनी शानदार गेंदबाजी से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, वहीं दूसरी तरफ स्टेडियम में मौजूद एक मिस्ट्री गर्ल ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मैच के दौरान कैमरा बार-बार उस लड़की पर गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने दावा करना शुरू कर दिया कि वह कोई और नहीं बल्कि पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल समरीन कौर हैं।

दरअसल, समरीन कौर ने खुद भी मैच से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसके बाद इन अटकलों को और हवा मिल गई। फैंस का मानना है कि वह अर्शदीप सिंह की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं।

अर्शदीप ने साझा की थी तस्वीर- अर्शदीप का हाल ही में स्नैपचैट वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक मिस्ट्री गर्ल का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। हाल ही में अर्शदीप और समरीन को साथ में स्पॉट किया गया था। वायरल वीडियो आईपीएल का बताया गया, क्योंकि अर्शदीप के पीछे पंजाब की टीम बस खड़ी दिख रही है। अर्शदीप भी सामान के साथ हैं, यानी वीडियो टीम ट्रैवल के दौरान की है।

कौन हैं समरीन कौर?

समरीन कौर एक पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो 2018 की मिस इंडिया फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। वह मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से पढ़ाई की है। समरीन ने कई म्यूजिक वीडियो, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। समरीन कौर ने 83 में रणवीर सिंह के साथ काम किया था। इसके अलावा वह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'नेल पॉलिश' के बाद उन्हें अच्छी पहचान मिली। उन्होंने बादशाह और जस मानक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है। इन सभी कयासों के बावजूद, न तो अर्शदीप सिंह और न ही समरीन कौर की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस वजह से यह मामला अभी सिर्फ अटकलों और फैंस के अनुमान तक ही सीमित है। आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों की पर्सनल लाइफ भी चर्चा का विषय बन जाती है। अर्शदीप और समरीन को लेकर चल रही यह चर्चा भी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही है और फैंस लगातार इस पर नजर बनाए हुए हैं।

लगातार हार से मुंबई इंडियंस कैम्प में सबकुछ ठीक नहीं!

एक जीत के बाद चार हार, बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी तक सब रहे फ्लाप

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन टीम ने शुरुआती मुकाबले में कोलकात नाइट राइडर्स को हराकर सीजन का आगाज जीत के साथ किया। लेकिन फिर उसने लगातार चार मुकाबले गंवा दिए। मुंबई इंडियंस की ना तो बल्लेबाजी सही से क्लिक रही है, ना गेंदबाजी में दमदखम नजर आ रहा है और ना ही फील्डिंग दुरुस्त दिखी है।

हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंपी थी, तब फैन्स को उम्मीद थी कि नए कप्तान के अंदर यह टीम और बुलंदियां हासिल करेगी। वजह साफ थी- हार्दिक ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटन्स को खिताब जिताया था और अगले सीजन फाइनल तक पहुंचाया। दूसरी तरफ, रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई लगातार तीन साल तक ट्रॉफी नहीं जीत सकी थी और उनके बल्ले से भी पहले जैसा असर नहीं दिख रहा था। हालांकि हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाने से मुंबई इंडियंस के फैन्स नाराज हुए थे और 2025 के आईपीएल सीजन में उनकी घरेलू प्रशंसकों ने खूब हूटिंग की। जब हार्दिक ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया, तो फैन्स का उनके प्रति नजरिया बदला। 2025 और मौजूदा सीजन में हार्दिक एंड कंपनी को होम फैन्स का फुल सपोर्ट मिला है।

हार्दिक का इशारा किस ओर?

मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या को नया कप्तान बना दिया, लेकिन तस्वीर तो बिल्कुल अलग नजर आ रही है। 2024 में टीम आखिरी स्थान पर रही, 2025 में किसी तरह प्लेऑफ तक पहुंची और अब आईपीएल 2026 में एक बार फिर टीम दबाव में है। पंजाब किंग्स के खिलाफ हार के बाद हार्दिक का गुस्सा साफ दिखा। उन्होंने मैच के बाद खुलकर कहा कि अब टीम को कुछ कठिन फैसले लेने होंगे और हर खिलाड़ी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

हार्दिक पंड्या ने कहीं ना कहीं टीम के स्टार खिलाड़ियों पर निशाना साधा, जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा लगातार रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह जैसा मैच विनर गेंदबाज भी अब तक एक विकेट नहीं ले पाया हैय

उधर, रोहित शर्मा भी हैमस्ट्रिंग चोट के चलते पंजाब के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहे। मैच के दौरान वह डगआउट में बैठे नजर आए और गेंदबाजों की हालत देखकर उनकी निराशा भी साफ दिख रही थी। रोहित की गैरमौजूदगी ने मुंबई की बल्लेबाजी को भी कमजोर कर दिया क्योंकि उनके पास अनुभव और दबाव झेलने की क्षमता दोनों हैं।

पंजाब के खिलाफ मुकाबले में हार्दिक पंड्या की बेचैनी मैदान पर साफ नजर आई। हर चौके-छक्के के बाद वह लगातार गेंदबाजों और फील्डरों को निर्देश देते दिखे। यहां तक कि जसप्रीत बुमराह भी हताश दिखे और उन्होंने हार्दिक की गेंद पर एक आसान कैच छोड़ दिया।

बुमराह को कोई साथ नहीं दे रहा

मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी इस समय टीम की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है। टीम पूरी तरह बुमराह पर निर्भर दिख रही है। दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज अब पहले जैसे असरदार नहीं रहे। बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाज लगातार रन लुटा रहे हैं और विपक्षी बल्लेबाज आसानी से बड़े स्कोर बना रहे हैं। स्पिन विभाग की हालत भी ज्यादा बेहतर नहीं है। मयंक मार्कंडे लंबे समय से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। जबकि मिचेल सेंटनर और अल्लाह गजनफर जैसी विदेशी स्पिन विकल्पों को मददगार पिच की जरूरत पड़ती है। अब सवाल सिर्फ हार्दिक पंड्या की कप्तानी का नहीं है। सवाल यह भी है कि क्या मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर जल्दबाजी की। फिलहाल, आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की हालत देखकर यही लग रहा है कि टीम के सामने मुश्किलें सिर्फ मैदान पर नहीं, ड्रेसिंग रूम के भीतर भी बढ़ती जा रही हैं।

पांच टीमों के एक समान हैं अंक

अजेय चल रही पंजाब किंग्स का अंक तालिका में दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब के पांच मैचों में नौ अंक हो गए हैं।

मुंबई ने क्विंटन डिकॉक की नाबाद 60 गेंदों पर सात छक्कों और आठचौकों की मदद से खेली नाबाद 112 रन की पारी की बदौलत छह विकेट पर 195 रन बनाए थे। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के 39 गेंदों पर नाबाद 80 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 35 गेंदों पर बनाए 66 रनों की मदद से 16.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाकर मैच सात विकेट से जीत लिया। आइए देखते हैं कि मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स मैच के बाद अंक तालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर मौजूद है...

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है। ऑरेंज कैप विराट कोहली के पास ही है। आरसीबी के कोहली ने पांच मैचों में 228 रन बनाए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिच क्लासेन हैं जिन्होंने पांच मैचों में 224 रन बनाए हैं। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के पास पर्पल कैप बरकरार है। प्रसिद्ध ने चार मैचों में 10 विकेट लिए हैं। सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम भी इतने ही विकेट हैं, लेकिन प्रसिद्ध की इकॉनोमी कंबोज से बेहतर है जिस कारण वह शीर्ष पर हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

युजवेंद्र चहल को डेट कर रही एक्ट्रेस शेफाली बग्गा?

शादी पर तोड़ी चुप्पी, बोली- छोटी सोच

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम आरजे महवश और शेफाली बग्गा संग जोड़ा गया. शेफाली ने एक इंटरव्यू में उनके और चहल के रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी है. इंडियन क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल अपनी पर्सनल लाइफ को हेडलाइंस में रहते हैं. धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनका नाम कई हसीनाओं के साथ लिंकअप किया गया. कुछ महीने पहले वो क्रिकेट होस्ट-एक्ट्रेस शेफाली बग्गा के साथ दिखाई दिए. इसके बाद दोनों एक विज्ञापन में साथ नजर आए. शेफाली और चहल को साथ देखकर कहा जाने लगा कि ये एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. अब शेफाली ने डेटिंग रूमर्स पर चुप्पी तोड़ी है.

चहल के प्यार में शेफाली?

शेफाली बग्गा क्रिकेट और मनोरंजन का जाना-माना बन चुकी हैं. हाल ही में फिल्मीज्ञान के पॉडकास्ट में पहुंचीं, जहां उन्होंने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर बात की. शेफाली से पूछा गया कि उन्हें क्रिकेट से प्रेम है या क्रिकेटर्स.'ये भी पूछा गया कि क्या वो चहल को डेट कर रही हैं. जवाब में शेफाली ने कहा कि मैं इस सवाल से परेशान हो चुकी हूं. वो कहती हैं कि मैं ये डेटिंग के बारे में सुनकर परेशान हो चुकी हैं. मुझे लगता है कि लोगों की सोच कितनी छोटी है कि डिनर को डेटिंग समझते हैं. ये बहुत ज्यादा अजीब है. शेफाली से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर आपका और चहल का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे देखकर कहा गया कि आप और चहल एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. बतौर क्रिकेट होस्ट आपके लिए ये हैंडल करना आपके लिए कितना मुश्किल रहा. खासकर तब जब लगातार आपका नाम क्रिकेटर्स के साथ जोड़ा जा रहा हो.

ऐसे बातों की नहीं करती परवाह

शेफाली ने कहा कि मैं सच में इन बातों की परवाह नहीं करती हूं. मैं अब टेंशन लेना खत्म कर चुकी हूं. आपको जो कहना है कहिए. जो करना है करिए. मुझे मेरी सच्चाई पता है. मेरे आस-पास के लोगों को सच्चाई पता है. शेफाली ने ये भी कहा कि वो क्रिकेटर से शादी नहीं करना चाहेंगी, क्योंकि ये उनका प्रोफेशन है. वो पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मिक्स नहीं करना चाहतीं. शेफाली ने कहा कि वो फ्यूचर में विराट कोहली जैसा पार्टनर चाहती हैं. उन्हें विराट और अनुष्का परफेक्ट कपल लगते हैं. शेफाली की बात करें, तो वो स्पोर्ट्स एंकर और एक्ट्रेस हैं. शेफाली बिग बॉस 13 में भी नजर आई थीं. शो से उनके करियर को नई उड़ान मिली.

भक्ति में लीन दिखीं शिल्पा शेट्टी, त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा में स्थित प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर के दर्शन किए। यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस खास पल को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी साझा किया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिल्पा ने वीडियो और फोटो पोस्ट की। वीडियो में वह देवी त्रिपुरासुंदरी की मूर्ति के सामने श्रद्धा भाव से पूजा करती नजर आ रही हैं। इसमें मंदिर के गर्भगृह की सुंदर झलक देखने को मिल रही है।

तस्वीर में शिल्पा अपनी दो करीबी दोस्तों के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। तीनों पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। शिल्पा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है। इसके साथ लाइट ज्वेलरी और माथे पर बिंदी लगाकर अपने लुक को पूरा किया।

मंदिर परिसर में दोस्तों के साथ उन्होंने कैमरे के लिए पोज दिया। अगर शिल्पा शेट्टी के करियर की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने साल 1993 में आई फिल्म बाजीगर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह कई सफल फिल्मों में नजर आई। शिल्पा ने धड़कन, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, जानवर और इंडियन जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने इंडियन पुलिस फोर्स जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ओटीटी पर भी राज किया।

मेट्रो बाजार

आईईए प्रमुख की बड़ी चेतावनी, जेट फ्यूल स्टॉक के कम होने से उड़ानों पर मंडरा सकता है संकट

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहा तो यूरोप में हवाई यात्रा प्रभावित हो सकती है, क्योंकि जेट फ्यूल का स्टॉक (हवाई जहाज के ईंधन के भंडार) तेजी से कम हो रहा है। बिरोल ने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा कि यूरोप के पास %शायद सिर्फ 6 हफ्तों का जेट फ्यूल बचा है और अगर सप्लाई बाधित रही तो जल्द ही फ्लाइट्स कैंसिल होने लगेंगी। आईईए की इस हफ्ते जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगर यूरोप मिडिल ईस्ट से होने वाले अपने कम से कम आधे आयात की भरपाई नहीं कर पाया, तो जून तक हालात और गंभीर हो सकते हैं और स्टॉक खतरनाक स्तर पर पहुंच जाएगा। फातिह बिरोल ने इस स्थिति को %अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट% बताया। उन्होंने कहा कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डालेगा और जितना लंबा चलेगा, उतना ही आर्थिक विकास और महंगाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आईईए की रिपोर्ट के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र से होने वाला निर्यात वैश्विक जेट फ्यूल सप्लाई का सबसे बड़ा स्रोत है। वहीं, कोरिया, भारत और चीन जैसे बड़े निर्यातक देश भी कच्चे तेल के लिए मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं, जिससे यह संकट और गहरा हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो जेट फ्यूल के लिए एक अहम रास्ता है, पिछले छह हफ्तों से प्रभावी रूप से बंद है। यह स्थिति ईरान द्वारा अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में उठाए गए कदमों के कारण बनी है।

सरकार ने ग्लोबल एक्सपेंशन प्रोग्राम के लिए 10 एआई स्टार्टअप्स का किया चयन

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत चल रहे इंडियाएआई मिशन ने अपने ग्लोबल एक्सीलरेशन प्रोग्राम के दूसरे बैच के लिए 10 भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप्स का चयन किया है। इस पहल का मकसद भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने में मदद करना है। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सीलरेशन प्रोग्राम पेरिस के स्टेशन एफ और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत को वैश्विक एआई इकोसिस्टम में मजबूत बनाने की सरकार की बड़ी योजना का हिस्सा है।

सरकार के मुताबिक, हर बैच में 10 स्टार्टअप्स को चुना जाता है, जिन्हें इस प्रोग्राम के तहत संसाधन, मेंटरशिप और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का मौका दिया जाता है, ताकि वे अपने बिजनेस को वैश्विक स्तर पर बढ़ा सकें।

यह प्रोग्राम भारत की नेशनल एआई स्ट्रैटेजी के अनुरूप है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वैश्विक इनोवेशन इकोसिस्टम से जुड़ाव और विदेशी बाजारों में विस्तार पर जोर दिया गया है। दूसरे बैच के लिए चुने गए स्टार्टअप्स में एआई हेल्थ हाईवे, अविरोस, कॉग्नेक्टो, फ्लॉन्ट, ग्रीनफाई.एआई, क्लाइमेटफोर्स टेक्नोलॉजीज, इन्फीहील हेल्थटेक, इनलस्ट्रो लर्निंग, प्रेडको, स्काईसर्व (हाइस्पेस टेक्नोलॉजीज) और टेस्टिंग सॉल्यूशंस शामिल हैं। इन स्टार्टअप्स को बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किया गया है। ये सभी चयनित कंपनियां पहले तीन हफ्ते के ऑनलाइन प्रोग्राम में हिस्सा लेंगी, इसके बाद उन्हें पेरिस में तीन महीने की रेजिडेंसी का मौका मिलेगा।

आयरलैंड में सेंट पैट्रिक्स डे का जश्न!

आयरलैंड का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व सेंट पैट्रिक्स डे इस साल भी पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। राजधानी डबलिन में चार दिनों तक जश्न का माहौल देखने को मिला।इस खास मौके पर देश-विदेश से लाखों लोग यहां पहुंचे और पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया।इस महोत्सव में दुनियाभर से करीब 5 लाख से ज्यादा पर्यटक शामिल हुए। शहर की सड़कों पर भारी भीड़ देखने को मिली, जहां हर तरफ खुशी और उत्साह का माहौल था। सुबह से ही लोग परेड और कार्यक्रमों का हिस्सा बनने के लिए सड़कों पर जुटने लगे थे। अलग-अलग देशों से आए लोगों ने इस उत्सव को एक वैश्विक रूप दे दिया। सेंट पैट्रिक्स डे को आयोजित होने वाली भव्य नेशनल परेड होती है। इस बार भी यह परेड बेहद खास रही। इसमें 4000 से ज्यादा कलाकारों, डांसर और मार्चिंग बैंड ने हिस्सा लिया। रंग-बिरंगी झांकियां, संगीत और नृत्य ने लोगों का दिल जीत लिया।

5 लाख लोगों ने बनाया रिकॉर्ड!

न्यूज विंडो

यूक्रेन सुरक्षा प्रमुख की भारत यात्रा जयशंकर-डोभाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव भारत पहुंचे। अपने भारत दौरे पर उमेरोव ने देश के शीर्ष सुरक्षा व विदेश नीति नेतृत्व से उच्चस्तरीय और निर्णायक बैठकें कीं। यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच शांति और रणनीति की नई तलाश का संकेत मानी जा रही है। अपने भारत दौरे के दौरान यूक्रेन के सुरक्षा प्रमुख रुस्तम उमेरोव ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में मुख्य रूप से यूक्रेन युद्ध और शांति की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

चीन: महिला ने बालकनी से उड़ाए 1.5 करोड़, लूटने वालों की लगी होड़

गुआंगडोंग। चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शान्ताउ में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, यहां एक महिला ने एक हाईराइज बिल्डिंग की इमारत से करोड़ों रुपए के नोट उड़ा दिए। स्टैंडर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस अचानक हुई घटना से सड़कों पर अफरा-तफरी और उत्साह का माहौल बन गया क्योंकि गिरते हुए नोटों को लूटने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।यह घटना लोंगहू जिले के स्टार लेक सिटी रिहायशी कॉम्प्लेक्स में सुबह करीब 9 बजे हुई। रिपोर्टों के अनुसार, एक महिला को अपने अपार्टमेंट की बालकनी से मुट्ठी भर-भरकर 1,000 हांगकांग डॉलर के नोट फेंकते हुए देखा गया। जैसे ही पैसे जमीन पर गिरे, राहगीर उन्हें उठाने के लिए तुरंत जमा हो गए।कुछ लोगों ने दावा किया है कि इस घटना के दौरान कई नोट बटोरने में कामयाब रहे।रिपोर्टों से संकेत मिला है कि यह घटना शायद पति-पत्नी के बीच किसी झगड़े से जुड़ी हो सकती है, जिसके दौरान महिला ने कथित तौर पर खिड़की से पैसे बाहर फेंक दिए।

हाईवे पर ट्रक-कार की भीषण भिड़ंत दो लोगों की मौत, सात घायल

पीलीभीत। बरेली-पीलीभीत हाईवे पर शुक्रवार देर रात ट्रक और ईको कार की टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा।पीलीभीत के जहानाबाद थाना क्षेत्र में हुए हादसे में बरेली की ओर से आ रही एक इको कार की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इको कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि कार में कुल 12 यात्री सवार थे। इनमें से दो यात्री नवाबगंज में उतर गए थे। शेष यात्री पीलीभीत की ओर जा रहे थे। हादसे में सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के बाग गुलशेर खां मोहल्ला निवासी रजत और एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही जहानाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर बरेली रेफर किया गया है। एक अन्य घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

स्थानीय मुद्दों के साथ नेताओं की बढ़ती संपत्ति भी चर्चा का विषय

पश्चिम बंगाल चुनाव: कई उम्मीदवारों की संपत्ति 2021 के मुकाबले हो गई दोगुनी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की जंगीपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जाकिर हुसैन ने 2021 के विधानसभा चुनावों में 67 करोड़ रुपए की संपत्ति होने की घोषणा की थी और अब पांच साल बाद 2026 के चुनावी हलफनामे में उन्होंने 133 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का जिक्र किया है। पांच सालों में हुसैन की संपत्ति लगभग दोगुना बढ़ी है और इसी के साथ वह 2026 के चुनाव में सबसे धनी उम्मीदवारों में शामिल हैं।

संपत्ति में इजाफे के मामले में वह अकेले नहीं है। भाजपा के पुरुलिया विधायक सुदीप कुमार मुखर्जी जो इस सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं, की संपत्ति 2021 के 45 लाख रुपए से बढ़कर 2026 में 11 करोड़ रुपए पहुंच गई है, यानी संपत्ति में 2,344 फीसद की वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में कई प्रमुख उम्मीदवार जोकि फिर से जीत के लिए मैदान में हैं, ने अपनी संपत्ति में भारी वृद्धि की घोषणा की है। उनके हलफनामों से संकलित आंकड़ों से यह पता चलता है। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज से दोबारा चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस के कृष्ण कल्याणी की संपत्ति 2021 में लगभग 5.8 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026 में 20 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। यह अंतर उनकी सपंत्ति में 247 फीसद की बढ़ोतरी दशार्ता है। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबांग से चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार मानस रंजन भुनिया ने 2021 के मुकाबले इस बार अपनी संपत्ति के दोगुना होकर 15 करोड़ रुपए होने का जिक्र किया है। इसके विपरीत निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की चल संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है।

150 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई दर्ज

कुछ मामलों में संपत्ति में वृद्धि फीसद के लिहाज से बहुत तीव्र रही है। भाजपा के सुकुमार राय जो कूचबिहार उत्तर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं की संपत्ति में 300 फीसद से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि भाजपा के चिन्मय देब बर्मन (तूफानगंज सीट) और तृणमूल कांग्रेस के बहारमपुर उम्मीदवार सुब्रत मैत्रा जैसे उम्मीदवारों की संपत्ति में 150 फीसद से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, सभी उम्मीदवारों की संपत्ति के मूल्य में वृद्धि दर्ज नहीं की गई है। अधिकारी के अलावा, कालिम्पोंग से भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवार रुडेन सादा लेपचा, सुती से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार इमानी बिस्वास तथा भाजपा के मोयना सीट से उम्मीदवार व क्रिकेटर से नेता बने अशोक डिंडा ने 2021 की तुलना में अपनी संपत्ति में गिरावट का उल्लेख किया है। ये आंकड़े चुनाव आयोग को प्रस्तुत किए गए स्व-घोषित शपथपत्रों पर आधारित हैं, जो 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान में दोबारा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की वित्तीय स्थिति को दशार्ते हैं।

नंदीग्राम सीट से पुनः चुनाव लड़ रहे और दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कड़ी चुनौती का सामना कर रहे भाजपा नेता के 2026 के चुनाव शपथपत्र से पता चलता है कि उनकी आय 2020-21 में लगभग 8.13 लाख रुपए से बढ़कर 2024-25 में 17.38 लाख रुपए हो गई है। हालांकि शुभेंदु अधिकारी ने अपनी चल संपत्ति लगभग 24.57 लाख रुपए घोषित की है जो 2021 में दर्ज किए गए 59.31 लाख रुपए से कम है। भाजपा के पुरुलिया विधायक सुदीप कुमार मुखर्जी की संपत्ति 2021 के 45 लाख रुपए से बढ़कर 2026 में 11 करोड़ रुपए पहुंच गई है, यानी संपत्ति में 2,344 फीसद की वृद्धि हुई है। शुभेंदु अधिकारी ने अपनी चल संपत्ति लगभग 24.57 लाख रुपए घोषित की है जो 2021 में दर्ज किए गए 59.31 लाख रुपए से कम है। जंगीपुर सीट से तृणमूल के उम्मीदवार जाकिर हुसैन ने 2021 के चुनावों में 67 करोड़ की संपत्ति होने की घोषणा की थी और अब पांच साल बाद 2026 के चुनावी हलफनामे में उन्होंने 133 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का जिक्र किया है।

सीहोर में बेटे ने की पिता की पीट-पीटकर हत्या

सीहोर। सीहोर के गंज क्षेत्र के कोली मोहल्ले में शुक्रवार रात बेटे ने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

कोली मोहल्ले में गंज निवासी सोनू शाक्य का अपने पिता सुभाष शाक्य से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि सोनू शाक्य ने अपने पिता पर हमला कर दिया और उनकी जमकर पिटाई की। इस हमले में सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें परिजन और आसपास के लोगों की मदद से तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे सोनू शाक्य को हिरासत में ले लिया। फिलहाल आरोपी से थाने में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विवाद किस कारण से शुरू हुआ था। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और आसपास के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं।

प्रदेश के 9 शहरों में तापमान 42 डिग्री से ज्यादा, खजुराहो में पारा 43.2 पर

» भोपाल-इंदौर से गर्म जबलपुर, 16 जिलों में आज लू का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को सीजन में पहली बार टेम्परेचर 43.2 डिग्री पहुंचा। यह छतरपुर के खजुराहो में दर्ज किया गया। वहीं, 9 शहरों में पारा 42 डिग्री से ज्यादा रहा।मौसम केंद्र भोपाल ने शनिवार को 16 जिलों में हीट वेव यानी, लू की चेतावनी जारी की है। भोपाल में शनिवार से ही स्कूल नए समय तक लगेंगे।मौसम विभाग ने आज जिन जिलों में लू का अलर्ट जारी किया, उनमें अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, धार, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना शामिल हैं।

तमिलनाडु में भीषण सड़क दुर्घटना, हादसे में 10 पर्यटकों की मौत, कई गंभीर रूप से घायल

वालपारई, एजेंसी

तमिलनाडु के वालपारई में भीषण वैन दुर्घटना हो गई है। इस घटना में 10 पर्यटकों की मौत हो गई है। केरल में रजिस्टर्ड यह टूरिस्ट गाड़ी वालपारई-पोल्लाची सड़क पर 13वें हेयरपिन मोड़ पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि दुर्घटना के समय गाड़ी में 20 यात्री सवार थे।

शार्प टर्न पर गाड़ी हुई हादसे का शिकार: बता दें कि कोयंबटूर जिले के वालपारई में ये घटना हुई है। इसमें एक टूरिस्ट गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसमें सवार 10 लोगों की जान चली गई। रोड पर शार्प टर्न होने के कारण गाड़ी नीचे लुढ़क गई और एक्सीडेंट हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि

वलपराई-पोल्लाची घाट रोड पर गाड़ी बेकाबू हो गई और 13वें मोड़ से फिसलते हुए 9वें मोड़ तक नीचे चली गई।

पुलिस के मुताबिक, घायलों को पास के अस्पताल में उचित इलाज के लिए एडमिट कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले की जांच जारी है। मृतकों और घायलों के परिजनों का पता लगाया जा रहा है। उन्हें इसकी सूचना पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

हादसे में उड़े वैन के परखच्चे: हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत-बचाव कार्य की शुरुआत हुई।

मलप्पुरम के रहने वाले थे वैन में सवार पर्यटक

इस हादसे में वैन बहुत बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वैन में जो लोग सवार थे, वे सभी केरल के मलप्पुरम से आए थे। हालांकि, यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि वे एक ही फैमिली के मेंबर थे या दोस्त अथवा परिचित थे।

मेट्रो एंकर | **सोशल मीडिया पर लोग परिवार को दे रहे बधाई, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी उठा रहे**

'वास्तविक पिता' कौन: एक लड़की से शादी करने वाले भाइयों के घर आई नन्हीं परी

सिरमौर, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला के शिलाई क्षेत्र से एक बार फिर अनोखी पारंपरिक शादी चर्चा में है। यहां के गांव में रहने वाले दो सगे भाई कपिल और प्रदीप ने जुलाई 2025 में एक ही महिला सुनीता से विवाह किया था। यह विवाह स्थानीय परंपरा के तहत हुआ, जिसे कुछ इलाकों में आज भी सामाजिक मान्यता प्राप्त है। शादी के करीब 10 महीने बाद सुनीता ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया है, जिसके बाद यह परिवार सोशल मीडिया पर फिर सुर्खियों में आ गया है। लोगों की ओर से जहां एक तरफ इस परिवार को ढेरों बधाइयां दी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी उठ रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि बच्ची का 'वास्तविक पिता' कौन माना जाएगा और उसके जन्म प्रमाण पत्र में किसका नाम दर्ज होगा। हालांकि, परंपरा के अनुसार बड़े भाई को ही बच्चे का पिता माना जाएगा।

पहाड़ी इलाकों में प्रचलित है परंपरा *इस तरह की शादी को स्थानीय स्तर पर 'फ्रेटर्नल पॉलीएंड्री' (एक महिला का कई भाइयों से विवाह) कहा जाता है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह परंपरा पहले जमीन के बंटवारे को रोकने और पारिवारिक संपत्ति को एकजुट रखने के उद्देश्य से प्रचलित थी।*

बड़ा भाई ही होता है आधिकारिक पति

भारतीय कानून में बहुविवाह को मान्यता नहीं है। इस वजह से बड़े भाई को ही आधिकारिक तौर पर महिला का पति माना जाता है और बच्चों के बर्थ सर्टिफिकेट में भी बड़े भाई का ही नाम होता है। बच्चे का बायोलॉजिकल पिता कोई भी हो, लेकिन आधिकारिक तौर पर बड़ा भाई ही पिता माना जाता है। हालांकि, पत्नी दोनों भाइयों के साथ रहती है और सभी को बराबर प्यार देती है। वह कब किसके साथ रहेगी। इसका फैसला वह खुद ही करती है। हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस परमार ने बहुपति प्रथा पर 1975 में किताब लिखी थी। इस किताब में विस्तार से इस प्रथा के बारे में बताया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564